INS ACCREDITED
यूनिकॉम
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

सांध्य दैनिक
यूनिक समय

RNI-UPHIN/2023/85053

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त : DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-37 | मथुरा, शुक्रवार, 3 अप्रैल 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

नारकोटिक्स टीम की बड़ी कार्रवाई से मचा हड़कम्प

14 करोड़ के नशीले पदार्थ के साथ कई लोग गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। आगरा जोन की नारकोटिक्स टीम ने मथुरा में बड़े स्तर पर मादक पदार्थ की तस्करी करने वाले 12 से अधिक लोगों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार अभियुक्तों में एक नाइजीरियन भी शामिल है। नारकोटिक्स टीम ने मथुरा की पुलिस का भी सहयोग गिरफ्तारी में किया। टीम ने आठ करोड़ की हेरोइन, दो करोड़ की स्मेक व करीब चार करोड़ का गांजा भी बरामद किया है। टीम ने चार अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई भी की है।

समाज में बढ़ती नशे की लत के चलते बड़े पैमाने पर लोग अलग–अलग तरह के नशे का सेवन कर रहे हैं। हरियाणा और आगरा में कीमती हेरोइन का नशा करने वाले लोग भी मौजूद हैं। हेरोइन की एक किलो की कीमत बजार में दो करोड़ रुपये है। इस बात से अंदाजा लग सकता है कि यह नशा कितना मंहगा है। इसी तरह स्मेक का इस्तेमाल हरियाणा, दिल्ली और पंजाब जैसे राज्यों में अधिक लोग करते हैं। गांजे का व्यापार मथुरा, अलीगढ़, आगरा, मेरठ सहित अन्य जनपदों में किया जाता है।

आगरा–हरियाणा में खूब बिक रहा है हेरोइन का मंहगा नशा

नाइजीरियन समेत विदेशी तस्कर भी पुलिस की पकड़ में

इस सबंध में आगर जोन के इंस्पेक्टर एचके मिश्रा ने बताया कि नारकोटिक विभाग ने मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले एक दर्जन से अधिक लोगों को स्थानीय पुलिस के सहयोग से गिरफ्तार किया है। मादक पदार्थों की तस्करी करने वालों के खिलाफ मथुरा के थाना यमुनापार, रिफाइनरी, हाईवे, कोतवाली, फरह, बल्देव व नौहझील थानों एनडीपीसी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कराए गए हैं। इसके साथ ही तस्करों से 13 करोड़ रुपये के मादक पदार्थ बरामद हुए हैं।

जनपद में खूब पनप रहा है अवैध गांजे का कारोबार

यूनिक समय मथुरा। जनपद में बड़े पैमाने पर उड़ीसा से गांजा तस्करी कर लाया जाता है। यहां कई लोग इस धंधे से जुड़े हैं। मथुरा से दूसरे जनपदों को गांजे की खेप भेजी जाती है। इसके अलावा जनपद में इसकी खूब बिक्री होती है। टेंपो से लेकर ई–रिक्शा चलाने वालों के अलावा मजदूर तबके के लोग गांजे को सिगरेटों में भरकर इस्तेमाल करते हैं। यही कारण है कि जनपद में जगह–जगह गांजे की पुड़ियां बिक्री करने वाले लोग मिल जाएंगे। यही नहीं अब तो ट्रेनों में भी नशेड़ियों को कुछ युवक स्टेशनों पर नशा उपलब्ध करा रहे हैं। पुलिस हर रोज गांजे के साथ किसी न किसी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेजती है। स्टेशन पर भी नशा बिक्री करने वालों को जीआरपी गिरफ्तार कर चुकी है। पुलिस की सख्त कार्रवाई के बाद भी नशे का कारोबार कम होने का नाम नहीं ले रहा है।

समाज में युवाओं के सिर चढ़ कर बोल रहा है नशा

यूनिक समय, मथुरा। समाज में नशा किस कदर युवाओं के सिर चढ़कर बोल रहा है। इसका अंदाजा इससे लगया जा सकता है कि अब युवतियां भी गांजें और बीयर का खुलकर इस्तेमाल करने लगी हैं।

बड़े बड़े कालेजों के आसपास नशा बिक्री करने वाले सक्रिय नजर आते हैं। कालेजों में दूर दराज घरों से आकर पढ़ाई करने वाले युवक और युवतियां अपने को परिवार के बंधन और दबाव से मुक्त समझकर नशा खोरी की ओर अग्रसर हो रहे हैं।

नशे की बढ़ती प्रवृत्ति समाज के लिए हो रही है घातक

नशा आज समाज में एक फैशन बन चुका है। बीयर और सिगरेट पीने को तो युवतियां भी आज बुरा नहीं समझती हैं। इस बारे में जब एक कालेज के प्रोफेसर से पूछा गया तो उनका कहना था कि कालेज में तो छात्र–छात्राओं पर कंट्रोल किया जा सकता है, लेकिन कालेज के बाहर तो उन्हें नहीं रोका जा सकता है।

जिले में कहीं मूसलाधार बारिश तो कहीं पड़े ओले

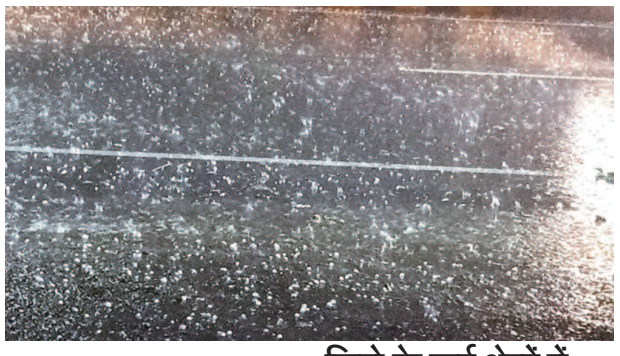

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को मौसम ने फिर पलटा मार दिया। जिले के कई क्षेत्रों में आसमान में छाए काले बादल तेजी के साथ बरस पड़े। कोसीकलां में सबसे पहले मूसलाधार बारिश हुई। बारिश के साथ ओले भी पड़े। ओलावृष्टि होने से बाजारों में अफरा तफरी सी मच गई। लोग सुरक्षित स्थानों की ओर दौड़े गए। बारिश के कारण सड़कों पर जल भराव की स्थिति पैदा हो गई। कई इलाकों की विद्युत आपूर्ति गुल हो गई।

मौसम खराब होने से किसानों के माथे पर टेंशन दिखाई देने लगी। वजह थी कि उनकी पकी और कटी फसल बर्बाद होने के कगार पर पहुंच गई। कोसीकलां स्थित कृषि मंडी में जल भराव होने से व्यापारी परेशान दिखाई दिए। आसमान में मंडराते बादलों को देखकर कई इलाकों में समय से पहले अंधकार छा गया। आसमान में उड़ते पक्षी अपने घौंसलों की ओर लौटने लगे।

जिले के कई क्षेत्रों में मौसम फिर पलटा किसान परेशान

केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के बयान से स्थिति स्पष्ट

अब बिना सहमति के नहीं लगेंगे स्मार्ट मीटर

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अब विद्युत विभाग के ठेकेदार के कर्मचारी जबरन आपके घरों पर स्मार्ट मीटर नहीं लगा सकेंगे। मीटर के लिए सहमति लेना जरूरी होगा। यह बात लोकसभा में केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कही है। ऊर्जा मंत्री के बयान के बाद मथुरा समेत यूपी के तमाम शहरों के विद्युत उपभोक्ताओं को राहत मिली होगी, जिनके यहां स्मार्ट मीटर लगाने के समय टकराव की स्थिति पैदा हो रही है या भविष्य में हो सकती है। मथुरा और वृंदावन क्षेत्र में भी स्मार्ट मीटर लगाने का विरोध किया गया था। इन मीटरों को लेकर उपभोक्ताओं के बीच तरह तरह की आशंका लग रही थी। अब केंद्रीय ऊर्जा मंत्री मनोहर लाल खट्ट के लोकसभा में दिए बयान के बाद साथ राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने केंद्रीय ऊर्जा मंत्री के आदेश को शत प्रतिशत पालन कराने की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि निगमों में जबरदस्ती मीटर बदले जा रहे हैं।

मथुरा के उपभोक्ताओं ने मंत्री के बयान का स्वागत किया

बदलाव | **सरकार का प्लान बी: गैस सिलेंडर को कहेंगे अलविदा ?**

अब बिजली से चलेगी रसोई, इंडक्शन बनेगा नया सहारा

विशेष संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और एलपीजी आपूर्ति पर मंडराते संकट के बीच केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। रसोई गैस पर निर्भरता कम करने के लिए अब "प्लान–बी" के तहत इंडक्शन और अन्य इलेक्ट्रिक कुकिंग उपकरणों को तेजी से बढ़ावा देने की तैयारी है। सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निर्देश पर डीपीआईआईटी, बिजली मंत्रालय और डीजीएफटी के बीच उच्चस्तरीय बैठक हुई, जिसमें इन उपकरणों के उत्पादन को युद्ध स्तर पर बढ़ाने पर जोर दिया गया।

सरकार का लक्ष्य है कि आने वाले 2–3 वर्षों में एलपीजी की मांग में कम से कम 25 प्रतिशत की कमी लाई जाए। वर्तमान में भारत अपनी जरूरत का 50–60 प्रतिशत गैस आयात करता है, ऐसे में इंडक्शन के बढ़ते इस्तेमाल से आयात बिल में बड़ी बचत संभव है। अनुमान है कि इससे आम परिवारों के किचन खर्च में 20–30 प्रतिशत तक कमी आ सकती है।

इंडक्शन और इलेक्ट्रिक उपकरणों की मांग पहले ही तेजी से बढ़ रही है। सरकार इन्हें सस्ता और सुलभ बनाने के लिए कंपनियों को प्रोत्साहन देने पर भी विचार कर रही है। साथ ही, 'पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना' के तहत सोलर एनर्जी को बढ़ावा देकर इन उपकरणों को और किफायती बनाने की रणनीति है। विशेषज्ञों का मानना है कि बिजली उत्पादन में आत्मनिर्भर भारत इस बदलाव के लिए तैयार है। यदि योजना सफल रही तो भविष्य में गैस सिलेंडर की चिंता खत्म होकर हर घर में "इलेक्ट्रिक किचन" नई हकीकत बन सकता है।

गैस सिलेंडर पर निर्भरता कम करने का केंद्र सरकार का नया अभियान

तिलकवीर सिंह की गिरफ्तारी की शहर में चर्चा

यूनिक समय, मथुरा। पार्षद पति तिलकवीर सिंह की नोएडा से गिरफ्तार होने की शहर में जबर्दस्त चर्चा चलती रही। तिलकवीर एक मैरिज होम में हुए झगड़े के मामले में वांछित चल रहे थे। इस मामले में जब पुलिस अधिकारियों और एसओजी प्रभारी से उनकी गिरफ्तारी के बारे में पूछा गया तो सभी ने इस बात की पुष्टि करने से इंकार कर दिया।

पुलिस अधिकारियों ने नहीं की इसकी पुष्टि

विशेष अनुरोध

यदि आपको यूनिक समय समाचार पत्र की प्रति (कॉपी) प्राप्त नहीं हो रही है तो हमारे इस मोबाइल नंबर पर संपर्क कर प्राप्त कर सकते हैं।
8394983366

चालान से बचने को दोपहिया चालकों के नए तरीके

नंबर प्लेट छिपाने और मोड़ने के हथकंडे

पुलिस के सामने भी बेखौफ दौड़ रहे वाहन

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। जिले में दोपहिया वाहन चालक पुलिस के चालान से बचने के लिए नए–नए तरीके अपना रहे हैं। कई लोग जानबूझकर ट्रैफिक नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं और पुलिस व सीसीटीवी कैमरों से बचने की कोशिश कर रहे हैं। यह स्थिति शहर की सड़कों पर आम हो गई है। कुछ लोग नंबर प्लेट पर टेप लगा देते हैं, जिससे नंबर साफ नहीं दिखता। कुछ लोग नंबर प्लेट को मोड़ देते हैं या उसे नीचे की ओर झुका देते हैं, ताकि पीछे से नंबर पढ़ा न जा सके। इससे पुलिस और कैमरों को वाहन की पहचान करने में दिक्कत होती है। शहर में लगे सीसीटीवी कैमरों से बचने के लिए भी लोग चालाकी कर रहे हैं। कुछ लोग ऐसे रास्तों से निकलते हैं जहां कैमरे कम हैं, जबकि कुछ तेज रफ्तार में कैमरे के सामने से निकल जाते हैं, ताकि उनकी पहचान न हो सके। कई बार देखा गया है कि वाहन चालक पुलिस के सामने से ही बिना नंबर प्लेट के निकल जाते हैं। इससे साफ है कि नियम तोड़ने वालों में अब कानून का डर कम हो गया है। यही नहीं, कुछ पुलिसकर्मी भी मोटरसाइकिल चलाते समय नियमों का पालन नहीं करते दिखते हैं। एक पुलिस कर्मी ने तो वेटरनरी कॉलेज के सामने हदें पार कर दीं, यह एक ऐसा नजारा है एक पुलिस कर्मी बुलेट मोटरसाईकिल पर मस्ती में जा रहा है।

चालान से बचाने के लिए नंबर प्लेट को मोड़कर बिना हेलमेट मोटरसाइकिल चलाता युवक।

नंबर प्लेट पर टेप लगाकर बिना हेलमेट के बाइक चलाता युवक।

चालान से बचने के लिए नंबर प्लेटफार्म पर टेप लगाकर स्कूटी चलाता युवक।

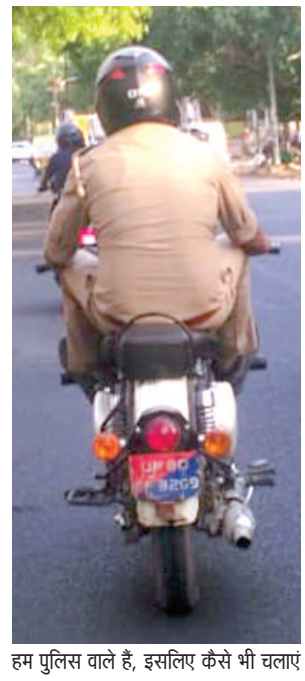
हम पुलिस वाले हैं, इसलिए कैसे भी चलाएं बाइक।

तापमान / मौसम

32 डिग्री सेल्सियस अधिकतम

20 डिग्री सेल्सियस न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,49,510
22 कैरेट 1,37,549
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,32,960 प्रति किलो

आपातकालीन सेवाएं

112	-आपातकालीन सेवा
1962	- रेलवे हेल्पलाइन
100	- पुलिस
108	- एंबुलेंस (स्वास्थ्य सेवा)
102	- एंबुलेंस (मातृ एवं शिशु सेवा)
101	- अग्निशमन (फायर ब्रिगेड)
1090	- महिला हेल्पलाइन
1091	- महिला पुलिस सहायता
1098	- चाइल्ड हेल्पलाइन
104	- स्वास्थ्य सलाह सेवा
1076	- मुख्यमंत्री हेल्पलाइन
1033	- राष्ट्रीय राजमार्ग आपात सेवा
1073	- सड़क दुर्घटना आपात सहायता

बांकेबिहारी मंदिर को समय से खोलने के निर्देश

यूनिक समय, वृंदावन। ठाकुर बांकेबिहारी मंदिर के भक्तों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए हाई पावर कमेटी ने सेवायतों को मंदिर तय समय पर ही खोलने का निर्देश दिया है। कमेटी की ओर से साफ कहा गया है कि अगर नई समय सारणी का पालन नहीं हुआ तो सेवायतों पर दंड लगाया जाएगा और हर सप्ताह इनकी समीक्षा भी की जाएगी। पहले भी समय पढ़ने का निर्णय लिया गया था, लेकिन उसका पालन नहीं हो रहा था, जिस पर अब प्रशासन सख्त नजर आ रहा है। 29 मार्च से फूल बंगला सजाने के साथ ही दर्शन व्यवस्था और में और बदलाव किए गए हैं, जिससे भक्तों को बेहतर और सुविधा मिल सके। व्यवस्थित वातावरण से भक्तों को सकारात्मक ऊर्जा मिलती है।

राष्ट्रपति दौरे के 15 दिन बाद भी शहर की व्यवस्था बरकरार

सफाई और सड़क व्यवस्था ने बनाए रखी अपनी चमक

गोवर्धन चौराहे का नजारा।

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय,मथुरा। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू के आने से पहले जिस तरह कान्हा की नगरी को सजाया और संवारा गया था उसका असर अब 15 दिन बाद भी साफ दिखाई दे रहा है। आमतौर पर बड़े कार्यक्रमों के बाद व्यवस्थाएं ढीली पड़ जाती हैं, लेकिन इस बार मथुरा में हालात अलग नजर आ रहे हैं। शहर में साफ–सफाई का स्तर अभी भी बेहतर बना हुआ है। सड़कों की सफाई, कूड़ा उठान और डिवाइडर इसके जीते जागते उदाहरण हैं। प्रमुख मार्गों पर गंदगी नजर नहीं आ रही, जिससे शहर की सुंदरता बनी हुई है। मथुरा से वृंदावन और गोवर्धन जाने वाले मार्गों की स्थिति अभी भी बेहतर बनी हुई है। सतोहा से लेकर जन्मभूमि तक वाहन बिना किसी रुकावट के दौड़ रहे हैं। सड़कें न केवल चिकनी हैं बल्कि ट्रैफिक प्रबंधन भी बेहतर हुआ है। दिल्ली से आए रमेश चंद्र शर्मा ने कहा कि 15 दिन बाद भी यहां की साफ–सफाई देखकर खुशी हुई। ऐसा कम ही देखने को मिलता है कि व्यवस्था लंबे समय तक बनी हुई है। अभी रोड की सही बनी हुई है। जयपुर से आई सुनीता देवी का कहना है कि इस बार यहां आकर बहुत अच्छा अनुभव हुआ। सड़कें और सफाई दोनों ही बेहतरीन हैं। गुजरात से आए अमित सिंह ने कहा कि ऐसे ही वीआईपी आया करें तो शहर में विकास की रफ्तार अच्छी हो जाती है। पहले की तुलना में अब सफर बहुत आसान हो गया है। 15 दिन बाद भी कोई गिरावट नहीं आई है। कानपुर से आई नेहा वर्मा ने बताया कि सफाई व्यवस्था लगातार बनी हुई है, यह सबसे अच्छी बात है। इससे शहर की छवि बेहतर होती है। केरल से आए राजेश नायर ने कहा कि मैं दोबारा आया हूं और देखकर अच्छा लगा कि बदलाव सिर्फ दिखावे तक सीमित नहीं है। ऐसे ही कान्हा की नगरी में वीआईपी आए दिन आया कर तो शहर की सूरत ही बदल जाएगी। भोपाल से आई प्रिया सिंह ने कहा कि अगर यही व्यवस्था आगे भी बनी रही तो मथुरा देश के सबसे सुंदर धार्मिक शहरों में गिना जाएगा। यहां पर आए दिन हजारों श्रद्धालु आते है।

नशे में धुत पुजारी ने हनुमानजी की प्रतिमा तोड़ी, पुलिस ने संभाली स्थिति

यूनिक समय, वृंदावन। थाना जैंत अंतर्गत ग्राम धौंरेरा में वर्षों पुराने एक मंदिर में रहने वाले पुजारी ने नशे में धुत होकर हनुमानजी की प्रतिमा को क्षतिग्रस्त कर दिया। आज सुबह प्रतिमा के क्षतिग्रस्त किए जाने की जानकारी ग्रामीणों को हुई तो वह बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे। सूचना मिलते ही जैंत थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने मौके पर नजाकत को समझ ग्रामीणों को शांत किया। आनन फानन में हनुमान जी की प्रतिमा मंगाकर स्थापित कराया। बताया जाता है कि मंदिर में एक अन्य प्रतिमा की आंख को नशेबाज पुजारी ने क्षतिग्रस्त कर दिया। पुलिस अब पुजारी की तलाश में जुटी हुई है।

वृन्दावन की जाम की समस्या का मामला

पुलिस–व्यापारियों ने बाजारों का किया साझा मुआयना

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृन्दावन । मंदिरों की नगरी में लंबे समय से नासूर बनी जाम की समस्या के समाधान के लिए नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारियों ने पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बाजारों का निरीक्षण किया।

संगठन के सदस्यों ने एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार और सीओ ट्रैफिक आशीष के साथ अनाज मंडी व अन्य संवेदनशील क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। गौरतलब है कि नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के पदाधिकारी ने पूर्व में भी कई बार प्रशासनिक अधिकारियों के साथ इस गंभीर मुद्दे पर वार्ता कर चुके हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस परिणाम नहीं निकल सका था। शुक्रवार को हुए निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौके पर जाकर उन प्रमुख बिंदुओं का आंकलन किया, जहाँ से जाम की स्थिति पैदा होती है। निरीक्षण के बाद एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार ने आश्वस्त किया कि मुख्य बाजारों में लगने वाले जाम के कारणों को चिन्हित कर लिया गया है। उन्होंने बताया कि जल्द ही महत्वपूर्ण स्थानों पर अतिरिक्त ट्रैफिक कर्मियों की तैनाती की जाएगी, जो यह सुनिश्चित करेंगे कि बाहरी वाहन बाजारों के संकरे रास्तों में प्रवेश न कर सकें। एसपी ट्रैफिक ने कहा कि यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने के लिए केवल पुलिस ही नहीं, बल्कि नगर निगम और विद्युत विभाग के साथ भी समन्वय स्थापित किया जाएगा। सड़कों पर होने वाले अतिक्रमण और बिजली के लटकते तारों जैसे अवरोधों को दूर करने के लिए विभागों के बीच सामंजस्य बनाया जाएगा, ताकि श्रद्धालुओं और स्थानीय व्यापारियों को जाम से स्थाई मुक्ति मिल सके। नगर उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के अध्यक्ष आलोक बंसल ने बताया कि एसपी ट्रैफिक और सीओ ट्रैफिक के साथ मिलकर व्यवस्था बनाने की कवायद की गई है। उन्होंने बताया कि नगर के कई पॉइंट्स पर व्यवस्थाएं देखी गई है। जिसमें कई जगह पर ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की जाएगी। जिससे की नगर में बाहरी वाहन न प्रवेश कर सकें। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि वृंदावन वासियों और व्यापारियों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। इस मौके पर लक्ष्मीनारायण दीक्षित, आशीष ठाकुर, आनंद गुप्ता, भीमसेन अग्रवाल, आशीष अग्रवाल, हिमांशु तथा रितेश अग्रवाल आदि व्यापारी नेता मौजूद थे।

एसपी ट्रैफिक मनोज कुमार एवं सीओ ट्रैफिक आशीष से वृंदावन की ट्रैफिक की समस्या पर बातचीत करते वृंदावन के व्यापारी।

कोषागार में गबन के आरोपी को कोर्ट से नहीं मिली राहत

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय मथुरा। जिला जज विकास कुमार ने जिला कोषागार के सहायक लेखाकार अभिषेक श्रीवास्तव के वकील द्वारा उनकी जमानत के लिए दी गई अग्रिम जमानत की अर्जी को खारिज कर दिया। सहायक लेखाकार पर सरकारी धनराशि के गबन का मामला है। जिला शासकीय अधिवक्ता शिवराम सिंह तरकर ने बताया कि अभिषेक श्रीवास्तव ने कोषागार के पेंशन पटल पर सहायक लेखा कार के रुप में काम करते हुए 2020 सीटी एस सॉफ्टवेयर से छह मृतक पेंनशनरों को जीवित दिखाकर उनके जीवन प्रमाणपत्र को यस कर उनके सापेक्ष की धनराशि को अपने बैंक खाते में अंतरित कर लिया जिसकी रकम 1,62,34,328 रुपये थी। इस मामले में श्रीवास्तव के अधिवक्ता को ओर से

जिला जज ने अग्रिम जमानत प्रार्थना पत्र को किया खारिज

1,62,34,328 रुपये की राशि के गबन का है आरोप

अग्रिम जमानत के लिए प्रर्थाना पत्र जिला जज की अदालत में दिया गया था। जिला शासकीय अधिवक्ता ने जमानत का कड़ा विरोध करते हुए कोर्ट से कहा कि अभियुक्त प्रथम सूचना रिपोर्ट में स्पष्टतः नामजद है। प्रकरण में विवेचना चल रही है। इसके साथ ही यह अपराध गभीर प्रकृति का है। शासकीय धन का बड़े पैमाने पर गबन का मामला है। न्यायाधीश ने दोनों पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद जमानत प्रार्थना पत्र को खारिज कर दिया।

पुलिस एसओजी की संयुक्त मुठभेड़ में शातिर गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना पुलिस और एसओजी की टीम ने मुठभेड़ में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। मुठभेड़ के दौरान एक शातिर पुलिस की गोली लगने से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने इनके कब्जे से एक बाइक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार बरसाना पुलिस और एसओजी की टीम इलाके में वंछित अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए गश्त और चेकिंग कर रही थी। बताया गया कि पुलिस की टीम को पता लगा कि दो शातिर बदमाश बाइक से किसी वारदात को अंजाम देने के लिए इलाके में घूम रहे हैं। टीम ने बदमाशों को गिरफ्तार करने के लिए घेराबंदी की। भरना खुर्द माइनर पर

घायल बदमाश को ले जाती पुलिस व दूसरा बदमाश पुलिस गिरफ्त में।

सहार से कमई जाने वाले नाले पर रहेड़ा की ओर बाइक से जाते बदमाशों को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। पुलिस को देखते ही बाइक सवारों ने फायरिंग करना शुरू कर दिया। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की। पुलिस की गोली एक बदमाश के पैर में लगी जिससे वह घायल होकर गिर गया।

पुलिस की गोली लगने से एक हुआ घायल

घायल को पुलिस ने अस्पताल में कराया भर्ती

पुलिस ने मौके से घायल अवस्था में बदमाश जीतू उर्फ जितेंद्र निवासी विनायक चौक नंदगांव थाना बरसाना व राजवीर निवासी दिवाकर चौक नंदगांव को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने घायल जीतू उर्फ जितेंद्र को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस को मुठभेड़ स्थल से एक बाइक व दो तमंचे कारतूस बरामद हुए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों अपराधी मुकदमे में वांछित चल रहे थे।

बरेली हाईवे पर अनियंत्रित डंपर दीवार को तोड़ खेत में गिरा

यूनिक समय, मथुरा। थाना राया क्षेत्र स्थित बरेली-जयपुर हाईवे पर आज प्रातः करीब पांच बजे एक अनिंयत्रित डंपर हाईवे की दीवार तोड़ता हुआ खेत में जा गिरा।

बरेली हाईवे पर प्रातः तेज गति से दौड़ता डंपर के चालक को नींद की झपकी आ गई जिसके चलते स्टेरिंग से उसकी पकड़ छूटने के कारण तेजी से दौड़ता डंपर अनियंत्रि होकर गांव चिमला के समीप अपनी लाइन से दूसरी लाइन में पहुंच गया तथा अनियंत्रित हाईवे की दीवार को तोड़ता हुआ खेत

हाईवे पर बड़ा हादसा होने से टला

में जा गिरा। बताया गया कि चालक नासूर ने बताया कि वह अपने क्लीनर मोहित के साथ सिंकदरा में गिट्टी खाली करने के बाद वापस लौट रहा था। चिमला निवासी हरीबाबू सहित अन्य लोगों का कहना है कि जिस समय डंपर अपनी लाइन से दूसरी लाइन में तेज गति से आया अगर उस समय वहां से कोई वाहन गुजर रहा होता तो बड़ा हादसा हो सकता था।

बल–बुद्धि– विद्या के प्रदाता हैं हनुमान : डॉ. अनुराग कृष्ण पाठक

मंदिर में श्रोताओं को संबोधन करते डॉ. अनुराग कृष्ण पाठक।

हनुमान महाराज

यूनिक समय, वृन्दावन। अटल्ला चुंगी क्षेत्र स्थित वृन्दावन बालाजी देवस्थान में देवस्थान का चतुर्थ पाटोत्सव आध्यात्मिक गुरु डॉ. अनुराग कृष्ण पाठक के सानिध्य में सम्पन्न हुआ। प्रातः काल श्रीहनुमानजी महाराज के श्रीविग्रह का पंचामृत से अभिषेक किया गया। साथ ही उनका विशेष श्रृंगार व पूजन करके नई पोशाक धारण करायी गईं। उन्हें सवामनी लड्डुओं का भोग लगाया गया। सायं काल हनुमान चालीसा व सुंदरकाण्ड का संगीतमय सामूहिक गायन हुआ। सरस भजन संध्या संपन्न हुई। बालाजी देवस्थान के संस्थापक अध्यक्ष व आध्यात्मिक गुरु डॉ. अनुराग कृष्ण पाठक ने कहा कि श्रीहनुमानजी महाराज बल–विद्या, बुद्धि–विवेक और भक्ति–ज्ञान के प्रदाता हैं। वहीं वरिष्ठ पार्षद राधाकृष्ण पाठक ने कहा कि वृन्दावन बालाजी देवस्थान की स्थापना हमारे सदगुरुदेव बाबा नीम करौरी महाराज की सद्प्रेरणा से हुई है। इस मौके पर श्रीकृष्ण काली पीठाधीश्वर डॉ. केशवाचार्य महाराज, भाजपा नेता पदम सिंह शर्मा, गोविंद कृष्ण पाठक, ठाकुर बांके बिहारी मंदिर की हाई पावर कमेटी के सदस्य दिनेश गोस्वामी, डॉ. गोपाल चतुर्वेदी तथा श्रीगोपाल वशिष्ठ तथा धर्मेंद्र गौतम आदि उपस्थित थे।

नौहझील पुलिस ने भरी हुंकार महिलाओं को सिखाए आत्मरक्षा के गुर

नौहझील क्षेत्र में महिलाओं को जागरूक करती मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक दीप्ति सिंह।

यूनिक समय, नौहझील। "मिशन शक्ति फेज–5.0" के द्वितीय चरण के अंतर्गत नारी सुरक्षा, सम्मान और स्वावलंबन को लेकर जागरूकता अभियान तेज हो गया है। एसएसपी के निर्देशन में थाना नौहझील की 'मिशन शक्ति' टीम ने क्षेत्र की महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों के प्रति सजग करते हुए सुरक्षा का भरोसा दिलाया। अभियान का नेतृत्व कर रहीं मिशन शक्ति प्रभारी उपनिरीक्षक दीप्ति सिंह ने टीम के साथ मिलकर बालिकाओं को 'गुड टच–बैड टच' के बारे में विस्तार से समझाया। महिलाएं निडर होकर तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1090 पर कॉल करें या थाने जाकर एफआईआर दर्ज कराएं।

पुलिस टीम ने आधुनिक दौर में सोशल मीडिया (व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम आदि) के सुरक्षित उपयोग की जानकारी दी। महिलाओं को बताया गया कि अपनी निजी जानकारी साझा करते समय सावधानी बरतें। इस दौरान थाना नौहझील की पूरी पुलिस टीम मौजूद रही। उसने गांव–गांव जाकर नारी शक्ति को सशक्त बनाने का संकल्प दोहराया।

यूनिक समय
स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।
कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।
संपादक–पवन गौतम
फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888
E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

गुड फ्राइडे पर ईसाई समाज के लोगों ने उपवास कर किया प्रदर्शन

उपवास पर बैठे ईसाई समाज के परिवारिक सदस्य।

संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। प्रभु यीशु मसीह के बलिदान दिवस गुड फ्राइडे पर ईसाई समाज ने मौन उपवास कर सांकेतिक विरोध प्रदर्शन दर्ज कराया गया। ईसाई समुदाय के लोग पर सेंट्रल मेथोडिस्ट चर्च पर एकत्रित हुए और ईसाई समाज की चर्च की जमीन को नगर निगम की आड़ में भूमाफिया खुर्द बुर्द करने के विरोध में बड़ी संख्या में लोगों ने प्रदर्शन किया।

सभी ने एक स्वर से मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री से अपील की है कि वह हमको न्याय दें। उन्होंने कहा कि ईसाई समाज का मत है कि यह बड़ी पवित्र भूमि है जिस समाज की सेवा और संकल्प के लिए सहेजा गया लेकिन आज इसकी कीमत को देखते हुए लोगों की गिद्ध की नजरें इस भूमि पर लगी हुई हैं और यह येन केन प्रकरण वह इस भूमि को हड़पना चाहते हैं तथा कब्जा करना चाहते हैं। उनका आरोप है कि इसमें कुछ ईसाई समाज के बड़े अधिकारी भी संलिप्त हैं, उनकी संलिप्तता के बगैर यह संभव नहीं है। सभी ने एक स्वर में कहा कि वह इस भूमि और अपने घरों के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेंगे। विरोध प्रदर्शन में नेता मसीह, पी. पीटर, मनोज,राहुल, बीना पीटर, दिनेश, विनीता, रबैका, मधु मसीह, राजेश, एम. लाल, लुइजा, प्रीती, राजू, रानी मसीह, दीपक, शारदा, राहुल शौ, अनीता, लवली, स्वीटी, माग्रेट, बौसी, विक्की तथा शैलेंद्र आदि उपस्थित थे।

बेजुबानों का 'रक्षक' खुद मांग रहा जान की भीख

ताले में कैद बाजना का पशु अस्पताल

संवाददाता

यूनिक समय, बाजना। विकास के बड़े–बड़े दावों के बीच क्षेत्र का एक सरकारी संस्थान खुद अपनी बदहाली की कहानी बयां कर रहा है। बाजना से कटेलिया जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित बृज हितकारी इंटर कॉलेज के ठीक सामने स्थित सरकारी पशु चिकित्सालय वर्तमान में अपनी उपयोगिता खो चुका है। संस्थान की इमारत इतनी जर्जर हो चुकी है कि यहाँ पशुओं का इलाज तो दूर इंसानों का खड़ा होना भी खतरे से खाली नहीं है।

बाजना में स्थित पशु चिकित्सालय की जर्जर हालात का नजारा।

मौके पर देखने से पता चलता है कि अस्पताल की दीवारें पूरी तरह जर्जर हो चुकी हैं और प्लास्टर गिर रहा है। पूरी इमारत झाड़ियों और गंदगी से घिरी हुई हैं। सबसे चिंताजनक बात यह है कि अस्पताल के मुख्य गेट पर लंबे समय से ताला लटका हुआ है। सरकार की ओर से लाखों की लागत से बनी यह सरकारी संपत्ति अब धीरे–धीरे मलबे में तब्दील हो रही है। इंटर कॉलेज के ठीक सामने होने के कारण यहाँ से प्रतिदिन सैकड़ों छात्र गुजरते हैं। अस्पताल परिसर में फैली गंदगी और जलभराव के कारण न केवल पशुपालकों को परेशानी हो रही है, बल्कि राहगीरों और छात्रों के स्वास्थ्य पर भी संक्रमण का खतरा मंडरा रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि अस्पताल खुलने का कोई निश्चित समय नहीं है और अक्सर यहाँ ताला ही लटका मिलता है।

पशुपालन प्रधान इस क्षेत्र में अस्पताल की यह स्थिति पशुपालकों के लिए बड़ी मुसीबत बन गई है। मवेशियों के बीमार होने पर ग्रामीणों को सरकारी सहायता नहीं मिल पा रही है, जिसके कारण उन्हें निजी डॉक्टरों को मोटी फीस देने पर मजबूर होना पड़ रहा है। क्षेत्रीय किसानों और ग्रामीणों ने जिला प्रशासन और पशुपालन विभाग से तत्काल प्रभाव से जर्जर भवन की मरम्मत कराने की मांग की है। अस्पताल परिसर की सफाई कराकर नियमित रूप से डॉक्टर और स्टाफ की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। यदि समय रहते इस ओर ध्यान नहीं दिया गया तो यह सरकारी भवन पूरी तरह जमींदोज हो सकता है।

खुले पड़े बिजली के पैनलों से लोगों को जान का खतरा

यूनिक समय, मथुरा। कच्ची सड़क बैरागपुरा क्षेत्र में विद्युत विभाग की गंभीर लापरवाही सामने आई है। यहां दो दर्जन से अधिक बिजली के पैनल बॉक्स खुले पड़े हैं, जिससे किसी भी समय बड़े हादसे का खतरा बना हुआ है।

स्थानीय निवासियों ने बताया कि बारिश के मौसम में यह स्थिति और भी खतरनाक हो जाती है। पानी भरने से इन पैनल बॉक्सों में करंट फैलने का जोखिम बढ़ जाता है, जिससे राहगीरों और आसपास के लोगों की जान को खतरा पैदा हो जाता है। पहले भी कई बार इंसान और जानवर करंट की चपेट में आ चुके हैं।

क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया है कि एक ओर विद्युत विभाग स्मार्ट मीटर लगाने में सक्रिय है, वहीं दूसरी ओर खुले पड़े इन खतरनाक पैनल बॉक्सों की अनदेखी की जा रही है। इससे विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। चौधरी हर्ष कुमार और ओम प्रकाश भारद्वाज ने बताया कि इस समस्या के संबंध में कई बार शिकायतें की जा चुकी हैं, लेकिन अब तक कोई प्रभावी कार्रवाई नहीं हुई है।

ईरान–इजराइल तनाव का असर मथुरा के नाश्ते पर

महंगी हुई कचौड़ी, फीकी पड़ी नाश्ते की मिठास

मुख्य संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ईरान, इजराइल और अमेरिका के बीच बढ़ते तनाव का असर अब कान्हा नगरी की रोजमर्रा की जिंदगी पर भी दिखने लगा है। जहां पहले सुबह के नाश्ते में मिलने वाली गर्मागर्म कचौड़ी, जलेबी एवं अन्य खाने की चीजे लोगों की पहली पसंद होती थीं, वहीं अब बढ़ती महंगाई ने इसकी मिठास को फीका कर दिया है। बाजारों में कचौड़ी के दामों में साफ बढ़ोतरी देखने को मिल रही है। जो कचौड़ी पहले 10 रुपये में आसानी से मिल जाती थी, अब वही 12 से 15 रुपये में बिक रही है। वहीं 15 रुपये वाली कचौड़ी अब 18 से 20 रुपये तक पहुंच गई है। स्थानीय दुकानदारों का कहना है कि गैस सिलेंडर के दाम बढ़ने के साथ ही तेल, आटा और अन्य कच्चे माल की कीमतों में भी बढ़ोतरी हो रही है। ऐसे में मजबूरी में उन्हें अपने सामान के दाम बढ़ाने पड़ रहे हैं। दुकानदारों का कहना है कि अगर कीमतें नहीं बढ़ाई जातीं तो लागत निकालना भी मुश्किल हो जाता है। केवल कचौड़ी ही नहीं बल्कि धीरे–धीरे अन्य खाद्य पदार्थों और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दामों में भी अंतर देखने को मिल रहा है। सब्जियों, तेल और अनाज की कीमतों में भी बढ़ोतरी ने आम लोगों की रसोई का बजट बिगाड़ दिया है। महंगाई का सीधा असर आम जनता की जेब पर पड़ रहा है। खासकर मध्यम वर्ग और मजदूर वर्ग के लिए रोजमर्रा का खर्च संभालना कठिन होता जा रहा है। लोगों का कहना है कि पहले जहां 20–30 रुपये में अच्छा नाश्ता हो जाता था, अब उसी के लिए ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ रहे हैं। लोगों का कहना है कि ब्रज के नाश्ते की पहचान रही सस्ती और स्वादिष्ट कचौड़ी अब महंगाई की मार झेल रही है।

गैस सिलेंडर और कच्चे माल के दाम बढ़ने से दुकानदारों ने बढ़ाए रेट

हर क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी बढ़नी चाहिए : प्रियंका चतुर्वेदी

यूनिक समय, वृंदावन। पूर्व सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने पश्चिम बंगाल के चुनाव पर बोलीं। कहा- पहले धर्म को लेकर राजनीति होती थी अब जाति के नाम पर राजनीति हो रही है।

महिला आरक्षण पर शुरू होने वाले विशेष सत्र पर उन्होंने कहा- महिला आरक्षण कानून का जो बिल था, वह 2024 चुनाव से पहले पास हुआ था, तब भी हमने यह कहा था इसको सेंसिस से जोड़ना और फिर डिलीमेटेशन। कहीं न कहीं महिलाओं के अधिकारों का हनन होगा और 2029 से पहले नहीं हो पाएगा।

कहा कि महिलाओं की भागीदारी हर क्षेत्र में बढ़नी चाहिए। असम चुनाव को लेकर प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा- ओवैसी भारतीय जनता पार्टी की बी टीम हैं। ए टीम भाजपा है बी टीम ओवैसी हैं। जहां जहां उनको दिक्कत आती है लगता है ध्रुवीकरण से फायदा होगा वहां वह ओवैसी से कहते हैं यहां आकर चुनाव लड़िए।

भजन संध्या के समापन पर प्रसाद किया वितरित

यूनिक समय, गोवर्धन। श्री कृष्णा सामूहिक संगठन मंडल द्वारा आयोजित भजन संध्या आज गौरी गोपाल आश्रम में सम्पन्न हुई। ठाकुर श्री कृष्ण देव जी एवं गौरी गोपाल महाराज के सानिध्य में कार्यक्रम का उद्घाटन अनिरुद्ध आचार्य जी महाराज ने केशव देव एवं गौरी गोपाल की प्रतिमा पर माल्यार्पण और दीप प्रज्वलित कर किया। महाराज जी ने भजन "आ बैठ मेरी गोदी में तुझको निहार लूं" गाकर भक्तों को नृत्य के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर मनमोहन सर्राफ, बनवारी लाल शर्मा, महेश गोयल आदि ने भजन प्रस्तुत किए। इससे पूर्व आश्रम में संस्था के सदस्यों द्वारा साधु सेवा एवं भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सैकड़ों भक्तों ने प्रसाद ग्रहण किया। भजन संध्या के समापन पर महाराज जी ने सभी संकीर्तन मंडल के सदस्यों को बधाई देते हुए कहा कि इस प्रकार की सेवा निरंतर जारी रखें। वहीं कार्यक्रम के समापन पर प्रसाद वितरित किया गया। कार्यक्रम में सोहनलाल शर्मा, कन्हैया सुपारी वाले, महेश राया, राजू रही, दीपक शर्मा, राजकुमार अग्रवाल, दिलीप पांडे, महेश गिलट वाले, विवेक उपाध्याय, शिवकुमार शर्मा, नारायण प्रसाद शर्मा सहित आदि मौजद रहे।

एस.एफ. स्ट्रीट स्कूल में मनाया हनुमान जन्मोत्सव

यूनिक समय, मथुरा। स्ट्रेंजर फ्रेंड्स हैल्पिंग हैंड्स सोसाइटी के बैनर तले संचालित ट्रांसपोर्ट नगर एवं श्यामकुंज स्थित एसएफ स्ट्रीट स्कूल में हनुमान जन्मोत्सव मनाया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य बच्चों को भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं एवं नैतिक मूल्यों से जोड़ना तथा उनमें सकारात्मक सोच एवं संस्कारों का विकास करना रहा। संस्था के संस्थापक पियूष बंसल ने भगवान हनुमान की पूजा–अर्चना की। इस मौके पर बच्चों को शिक्षा सामग्री जैसे पुस्तकें, कॉपियां, पेंसिल एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं। कार्यक्रम में संस्था की अध्यक्ष शिखा बंसल, अंकिता शर्मा, भारत अग्रवाल तथा कंचन आदि ने भाग लिया।

सावधान

हाईटेक हो रहा एटीएम स्किमर गैंग

रिमोट कंट्रोल से फंसाते हैं कार्ड, फिर चुराते हैं पिन

यूनिक समय, मथुरा। एटीएम धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है। आजकल ठग नई-नई तकनीक का इस्तेमाल कर लोगों के खातों से लाखों रुपये उड़ा रहे हैं। यूनिक समय की टीम ने एक सर्वे किया है जिसमें पता लगा कि भोपाल में ऐसे ठगों ने लोगों को अपना शिकार बनाया है। इस मामले में ठगों ने एटीएम मशीन के अंदर स्किमरडिवाइस लगाई जो कार्ड की जानकारी चोरी करती है। यह डिवाइस कार्ड स्लॉट के भीतर फिट कर दी जाती थी और बाहर खड़े साथी रिमोट से इसे नियंत्रित करते थे। जैसे ही कोई व्यक्ति एटीएम में कार्ड डालता तो उसे ब्लॉक कर दिया जाता। ग्राहक बार-बार पिन कोर्ड डालता तो पास खड़े शातिर उसका पिन आसानी से देख लेते थे।

ठगों की चालाकी यहीं खत्म नहीं होती है। एटीएम पर दिए गए हेल्पलाइन नंबर की जगह वे अपना मोबाइल नंबर चिपका देते हैं। जब ग्राहक मदद के लिए कॉल करता तो ठग खुद को बैंककर्मचारी बताकर उससे बार–बार पिन डालने को कहते हैं। इसके बाद ग्राहक के जाने पर वे कार्ड निकालकर उसकी चिप बदल देते हैं और असली चिप के जरिए खाते से पैसे निकाल लेते हैं। यूनिक समय की टीम ने जब गहनता से मामले की तह तक पहुंचकर पड़ताल की तो पूरी घटना उजागर हो गई। यह बात है 15 मई 2025 की, एक मामले में पूर्व विधायक के खाते से 6.83 लाख रुपये निकाल लिए गए। जांच के बाद बैंक ने अपनी गलती मानते हुए 6.21 लाख रुपये वापस किए।

पुलिस ने सीसीटीवीफुटेज के आधार पर एक आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य फरार हैं। वहीं यूनिक समय ने मथुरा में लोगों को ऐसे ठगों से सावधान रहने की अपील की है, साथ ही सुझाव दिया है कि एटीएम से रुपए निकालते समय आसपास खड़े लोगों पर नजर रखें तथा एटीएम का उपयोग करते समय किसी अनजान व्यक्ति की मदद न लें, पिन डालते समय एटीएम के कीपैड को ढकें और यदि मशीन में कोई गड़बड़ी लगे तो तुरंत संबंधित बैंक को सूचना दें। थोड़ी सी सावधानी ही आपको बड़ी ठगी से बचा सकती है।

मदद करने के बहाने एटीएम के आसपास खड़े रहते हैं शातिर

बुर्जुगों और महिलाओं को बनाते हैं शिकार

हेल्पलाइन बनकर ठगते हैं ग्राहक को, चिप बदलकर निकालते हैं रुपए

शालिहोत्र इंस्टिट्यूट ऑफ वेटरिनरी आयुर्वेद
गौ–गाँव, परखम–281122 मथुरा (उ.प्र.)

वॉक–इन इंटरव्यू /भर्ती सूचना

योग्य, अनुभवी एवं समर्पित अभ्यर्थियों से निम्नलिखित पदों हेतु आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं

1. प्राचार्य (Principal)– 01
2. पशु चिकित्सक (Veterinary Officer)– 01
3. Veterinary Pharmacist– 01

शैक्षणिक योग्यता

प्राचार्यः Veterinary Science के किसी भी विषय में PhD: M.V.Sc. (Veterinary Medicine/Surgery/Obstetrics & Gynaecology)
वांछनीयः शैक्षणिक/प्रशासनिक अनुभव

पशु चिकित्सकः B.V.Sc. & A.H.
वांछनीयः Clinical subjects में M.V.Sc.

Veterinary Pharmacist : Veterinary Pharmacy में 2 वर्षीय डिप्लोमा
वांछनीयः संबंधित कार्य का अनुभव

विशेष प्राथमिकता

गौसेवा एवं ग्रामीण क्षेत्र में कार्य करने के इच्छुक अभ्यर्थियों को वरीयता दी जाएगी।

वेतन/सुविधाएं:

योग्यता एवं अनुभव के अनुसार आकर्षक वेतन एवं अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।
इच्छुक अभ्यर्थी अपना विस्तृत बायोडाटा एवं आवश्यक प्रमाण पत्र निम्न ईमेल पर भेजें
deendayalgaushala@gmail.com Mob: +91 99508 69561
शॉर्टलिस्ट किए गए अभ्यर्थियों को 18 अप्रैल 2026 (शनिवार) को सुबह 10 बजे वॉक–इन इंटरव्यू हेतु संस्थान में उपस्थित होना होगा।
साक्षात्कार के लिए कोई यात्रा भत्ता देय नहीं होगा।

जीएलए का छात्र माइक्रोसॉफ्ट में 60 लाख के पैकेज पर चयनित

यूनिक समय, मथुरा। उच्च शिक्षा के क्षेत्र में अपनी उत्कृष्टता और तकनीकी दक्षता का परचम लहराता जीएलए विश्वविद्यालय एक बार फिर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चा का विषय बना है, क्योंकि कदम–कदम पर मेहनत रंग लाती है, काबिलियत ही मंजिल तक पहुंचाती है। इसी वाक्य को सिद्ध करते हुए विश्वविद्यालय के बीटेक कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग (बैच 2026) के आगरा निवासी छात्र पियूष वर्मा को विश्व की अग्रणी टेक कंपनी माइक्रोसॉफ्ट ने 60 लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर नियुक्ति का ऑफर दिया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय, ब्रज क्षेत्र और प्रदेश के लिए गौरव का क्षण है।

पियूष वर्मा ने हाल ही में माइक्रोसॉफ्ट में तीन माह की इंटर्नशिप पूरी की थी। इस दौरान उन्होंने दो बड़े प्रोजेक्ट्स पर कार्य करते हुए अपनी तकनीकी दक्षता, समस्या–समाधान की क्षमता और नवीन सोच का प्रदर्शन किया। इंटर्नशिप के दौरान दिखाए गए उनके प्रदर्शन ने कंपनी को इतना प्रभावित किया कि उनकी प्रतिभा और क्वालिटी को देखते हुए उन्हें सीधे उच्च पैकेज पर स्थायी नियुक्ति प्रदान की है।

जीएलए विश्वविद्यालय सदैव अपने छात्रों को केवल डिग्री प्रदान करने तक सीमित नहीं रहता, बल्कि उन्हें भविष्य के लिए पूर्ण रूप से तैयार करता है। यहां शिक्षा व्यवस्था

पियूष वर्मा

प्रोजेक्ट–आधारित लर्निंग, रिसर्च–ओरिएंटेड टीचिंग और इंडस्ट्री–कनेक्ट पर आधारित है। कम्प्यूटर साइंस विभाग में छात्रों को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, क्लाउड कम्प्यूटिंग, ब्लॉकचेन, साइबर सिक्योरिटी जैसी उभरती तकनीकों पर विशेष प्रशिक्षण

पियूष वर्मा की सफलता से ब्रज क्षेत्र और प्रदेश में गौरव बढ़ा

दिया जाता है।

इसके अतिरिक्त, हैकाथॉन, रिसर्च प्रोजेक्ट्स और इनोवेशन लैब्स में विद्यार्थियों को लगातार प्रयोग करने और नई तकनीकों पर काम करने का अवसर मिलता है। यही कारण है कि जीएलए के छात्र न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय कंपनियों में भी अपनी अलग पहचान बना रहे हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि यह उपलब्धि जीएलए की शिक्षा व्यवस्था और फैकल्टी के समर्पण का परिणाम है।

विश्वविद्यालय के छात्रों ने पूर्व में भी गूगल, अमेजन और माइक्रोसॉफ्ट जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में स्थान प्राप्त किया है, जो संस्थान की गुणवत्ता और उद्योगोन्मुखी दृष्टिकोण का स्पष्ट प्रमाण है।

आईईटी के डीन प्रो. अशोक भंसाली ने कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय में तकनीकी शिक्षा का मुख्य उद्देश्य छात्रों को ग्लोबल लेवल पर प्रतिस्पर्धा के लिए तैयार करना है। यहां का पाठ्यक्रम और प्रशिक्षण इंडस्ट्री की आवश्यकताओं से जोड़ा गया है, ताकि विद्यार्थी केवल सैद्धांतिक नहीं बल्कि व्यावहारिक रूप से भी दक्ष बनें। पियूष वर्मा जैसे छात्र हमारी शिक्षा प्रणाली और फैकल्टी के मार्गदर्शन की सफलता के प्रतीक हैं।

कम्प्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष डॉ. संदीप राठौर ने कहा कि तकनीकी शिक्षा तभी सार्थक है जब वह समाज और उद्योग की आवश्यकताओं से मेल खाती हो। विभाग में छात्रों को अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं, इनोवेशन लैब्स और रिसर्च अवसरों से जोड़ा जाता है। यही कारण है कि हमारे विद्यार्थी माइक्रोसॉफ्ट जैसी विश्व स्तरीय कंपनियों में चयनित हो रहे हैं। पियूष वर्मा का यह चयन न केवल उनके परिश्रम का परिणाम है, बल्कि विश्वविद्यालय की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और बेहतर शैक्षणिक माहौल का भी प्रमाण है।

सनातन की रक्षा ही राष्ट्र की रक्षा : सौरभ गौड़

श्री देवानंद परमहंस आश्रम में आयोजित कार्यक्रम के मंच पर संत और विद्वतजन।

यूनिक समय, वृंदावन। धर्म रक्षा संघ के तत्वावधान में हनुमान जन्मोत्सव का दो दिवसीय कार्यक्रम रुक्मणि विहार स्थित देवानंद परमहंस आश्रम में मनाया गया। कार्यक्रम का प्रारंभ हनुमान जी के रुद्राभिषेक से हुआ। फिर सामूहिक सुंदरकांड का पाठ नेत्रहीन बालकों ने किया। सायं काल की बेला में सनातन संत सम्मेलन नया उदासीन अखाड़े के आचार्य मुखिया जी महाराज की अध्यक्षता में किया गया। सनातन संत सम्मेलन में धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष सौरभ गौड़ ने कहा कि वर्तमान युग में हमें अपनी आने वाली पीढ़ी को सनातन धर्म के अनुसार संस्कारित करने की अति आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि सनातन की रक्षा ही राष्ट्र की रक्षा है। धर्म रक्षा संघ के कार्यकारी अध्यक्ष मोहिनी बिहारी शरण महाराज ने जेहादियों से मुकाबला करने के लिए अपने धर्म योद्धा तैयार करने का आह्वान किया। मुख्य अतिथि गौरी गोपाल आश्रम के पीठाधीश्वर अनिरुद्धाचार्य महाराज ने सनातनी बेटियों को झूठे षड्यंत्र रचकर लव जिहाद में फंसाने पर चिंता जाहिर की। महंत देवानंद परमहंस महाराज ने भी विचार व्यक्त किए। धर्म रक्षा संघ के राष्ट्रीय महामंत्री श्रीदास प्रजापति ने आभार जताया। कार्यक्रम में आचार्य बद्री महाराज आचार्य महामंडलेश्वर स्वामी राधा प्रसाद देव जी महाराज, महामंडलेश्वर डॉ. आदित्य आनंद गिरि महाराज, चतुः संप्रदाय महंत फूलडोल बिहारी दास महाराज, महामंडलेश्वर स्वामी कृष्णानंद महाराज, स्वामी अतुल कृष्ण दास महाराज, महामंडलेश्वर डॉ. सत्यानंद अधिकारी गुरुजी महाराज, सोनू भैया शास्त्री आदि उपस्थित थे।

बरसाना में हनुमान जन्मोत्सव पर निकालीं झांकियां हुआ स्वागत

श्रीराम दरवार झांकी की आरती उतारते सुदामा कुटी के महंत रामरज दास महाराज।

यूनिक समय, बरसाना। प्रेम सरोवर सुदामा कुटी के महंत रामरज दास महाराज ने कहा कि हनुमान जी महाराज बल बुद्धि के दाता ही नहीं बल्कि वे कलयुग के जागृत देवता भी हैं। महंत रामरज दास महाराज हनुमान जन्मोत्सव पर राणा की प्याऊ स्थित प्राचीन एवं सिद्ध हनुमान मंदिर पर झांकियों के शुभारंभ करते समय अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पौराणिक कथाओं और मान्यताओं के अनुसार कलियुग के अंधकार और नकारात्मकता में श्री हनुमान जी महाराज ही एकमात्र ऐसे देवता हैं जो उनके नाम लेने ही मात्र से अपने भक्तों के संकट हर लेते हैं। राणा वाली प्याऊ स्थित प्राचीन श्री हनुमान मंदिर से करीब 25 झांकियां निकाली गईं। रंग बिरंगी आतिशबाजी भी हुई। इस अवसर पर प्रयागराज श्रोत्रिय,मुकेश गोयल, कैलाशी पंडित, बॉबी सेठ, प्रिया हलवाई, पूर्व जेल विजिटर लक्ष्मण प्रसाद शर्मा, सभासद सेठ नरेश पटवारी, सभासद प्रतिनिधि विवेक अग्रवाल,गोविंद भारद्वाज, श्याम सेठ, दिनेश पंडित, भोला पंडित, डॉ. महेश चंद शर्मा आदि उपस्थित थे।

महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में विषाक्त खाया, मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना बल्देव के गांव नगला बली में एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में आज जहरीला पदार्थ खाकर आत्महत्या कर ली। गांव नगला बली निवासी बिजेंद्र की पत्नी प्रीति ने आज संदिग्ध परिस्थितियों में विषाक्त का सेवन कर लिया। महिला की हालत बिगड़ने पर परिवार में हड़कंप मच गया। बताया गया है कि बाद में महिला की मौत हो गई। घटना की जानकारी होने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा करने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

ट्रांसपोर्ट नगर की सड़क निर्माण में घोटाला

ट्रांसपोर्ट नगर में जर्जर सड़क का नजारा।

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा। ट्रांसपोर्ट नगर में पिछले साल बनाई गई सड़क की हालात देखकर कोई नहीं कह सकता कि यह वर्ष 2025 में बनी है। करीब तीन करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क खुद ही खुद भ्रष्टाचार की कहानी बयां कर रही है। सड़क की हालात देखकर अंगुली उठने लगी हैं।

शिलान्यास पट्टिका पर सांसद, विधायक एवं एमएलसी के नाम अंकित हैं। उसमें तीन करोड़ रुपये की लागत से 16 अगस्त 25 को सड़क निर्माण दर्शाया गया है। इसके बाद हालात यह है ट्रांसपोर्ट नगर का मुख्य मार्ग जर्जर अवस्था में दिखाई दे रहा है। इसके कारण आम जनता, वाहन चालकों एवं व्यापारियों को आवागमन में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। बृज यातायात एवं पर्यावरण जनजागरूकता समिति उत्तर प्रदेश के संस्थापक अध्यक्ष विनोद दीक्षित ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मथुरा ट्रांसपोर्ट नगर में तीन करोड़ रुपये की लागत से बनी सड़क में घोटाले की जांच कराने की मांग की है। उन्होंने पूर्व में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म (ट्विटर) पर शिकायत दर्ज कराई थी। इसके बाद स्थानीय मीडिया द्वारा भी इस विषय को प्रमुखता से प्रकाशित किया गया। इसके बाद संबंधित विभाग द्वारा वहां एक शिलान्यास पट्टिका स्थापित कर दी गई। लेकिन वास्तविक स्थिति यह है कि सड़क आज भी जर्जर अवस्था में है। न तो वहां कोई निर्माण कार्य किया गया है और न ही किसी प्रकार का मरम्मत अथवा पेचवर्क किया गया है। इससे यह प्रतीत होता है कि इस कार्य में गंभीर वित्तीय अनियमितता एवं घोटाले की आशंका है।

तीन करोड़ रुपये से बनी सड़क हो गई खराब

वर्ष 2025 में लगाई गई थी लोकार्पण पट्टिका

वैदिक मंत्रोच्चार के बीच आरआईएस में नए शैक्षिक सत्र का श्रीगणेश

छात्र–छात्राओं ने मांगा बुद्धि और विवेक का आशीष

यूनिक समय, मथुरा। राजीव इंटरनेशनल स्कूल में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच हवन–पूजन कर नए शैक्षिक सत्र (सत्र 2026–27) का शुभारम्भ किया गया। हवन–पूजन आचार्य करपात्री द्विवेदी द्वारा करवाया गया। इस अवसर पर छात्र–छात्राओं ने प्राचार्या प्रिया मदान के साथ प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेशजी एवं मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर उनसे बुद्धि और विवेक का आशीष मांगा।

राजीव इंटरनेशनल स्कूल में नए सत्र का शुभारम्भ हर्षोल्लास और आध्यात्मिक माहौल में हुआ। इस पावन अवसर पर छात्र–छात्राओं का स्वागत रोली–तिलक और पुष्प वर्षा कर किया गया। तत्पश्चात मां सरस्वती और श्रीगणेश की प्रतिमा के समक्ष बने हवन कुंड में वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच शिक्षकों और छात्र–छात्राओं ने आहुतियां अर्पित कीं। आचार्य करपात्री द्विवेदी ने छात्र–छात्राओं को शिक्षा का व्यापक अर्थ समझाते हुए उन्हें ज्ञान, कौशल

प्राचार्या प्रिया मदान के साथ पूजा–अर्चना करते छात्र–छात्राएं।

और जीवन मूल्यों को आत्मसात करने की सीख दी। आचार्य करपात्री द्विवेदी ने कहा कि समग्र शिक्षा के लिए माता–पिता और शिक्षकों को यह विश्वास होना आवश्यक है कि प्रत्येक बच्चा विशिष्ट है और उसकी प्रतिभा को विकसित करने के लिए एक सहायक और संवेदनशील वातावरण की आवश्यकता होती है। स्कूल की प्राचार्या प्रिया मदान ने कहा कि हर बच्चे के लिए स्कूल का पहला दिन विशेष होता है क्योंकि वे माता–पिता के लाड़–प्यार के बीच शिक्षकों के संरक्षण में आते हैं। उन्होंने सभी बच्चों से नियमित रूप से विद्यालय आने का आग्रह करते हुए कहा कि शिक्षा, शिक्षक और विद्यार्थी एक–दूसरे के पूरक हैं। उन्होंने सभी बच्चों से अनुशासन में रहकर शिक्षा ग्रहण करने का आह्वान किया और कहा कि विद्यार्थी जीवन में प्रत्येक छात्र–छात्रा का एकमात्र उद्देश्य तन–मन से पढ़ाई करना होना चाहिए। इस अवसर पर उन्होंने छात्र–छात्राओं को अनुशासन की शपथ दिलाते हुए उम्मीद जताई कि प्रतिवर्ष की भांति इस साल भी वे पूरे जोश व उत्साह के साथ विभिन्न क्षेत्रों में नए कीर्तिमान स्थापित कर विद्यालय को गौरवान्वित करेंगे। राजीव इंटरनेशनल स्कूल के चेयरमैन मनोज अग्रवाल ने सभी छात्र–छात्राओं को नए शैक्षिक सत्र की बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की। श्री अग्रवाल ने सभी छात्र–छात्राओं से अधिक से अधिक मेहनत करने, संस्कारित बनने, माता–पिता का सम्मान करने तथा उनकी आज्ञा का पालन करने का आह्वान किया। चेयरमैन श्री अग्रवाल ने अपने संदेश में कहा कि आरआईएस का उद्देश्य बच्चों को केवल साक्षर करना या किताबी ज्ञान देना भर नहीं है बल्कि उन्हें एक जिम्मेदार और आदर्श नागरिक बनाना है, ताकि वे आगे चलकर समाज में अपना सकारात्मक योगदान दे सकें।

डॉ. प्रमोद कुमार बेस्ट हॉलिस्टिक चाइल्ड डेवलपमेंट अवॉर्ड से सम्मानित

डॉ. प्रमोद कुमार को सम्मानित करते अतिथि ।

यूनिक समय, मथुरा। डॉ. प्रमोद कुमार (पेडियाट्रिक डेवलपमेंट थैरेपिस्ट) को गुरुवार को कानपुर में बेस्ट हॉलिस्टिक चाइल्ड डेवलपमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया गया है। यह कॉन्फ्रेंस बच्चों में मल्टीपल डिसएबिलिटी और डिसऑर्डर जैसे कि सेरेब्रल पाल्सी, ऑटिज्म, मस्क्युलर डिस्ट्रोफी व डाउन सिंड्रोम आदि को पर आधारित थी। जिसमें देश–विदेश से डॉक्टर ने अपना अपना एक्सपीरियंस रिसर्च के बारे में सभी को बताया और हमें कैसे उनका निदान करना है और कैसे समय रहते बच्चों को इस तरह की बीमारियों से बचाया जा सकता है इसके बारे में समझाया।

नई रिसर्च में सामने आई सच्चाई

क्या सिर्फ बढ़ती उम्र से होता है ब्रेस्ट कैंसर

यूनिक समय, नई दिल्ली। महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर को लेकर लंबे समय से यह माना जाता रहा है कि बढ़ती उम्र इसके खतरे को अपने आप बढ़ा देती है। हालांकि, हाल ही में सामने आई एक नई रिसर्च ने इस धारणा को पूरी तरह नहीं, लेकिन काफी हद तक बदल दिया है।

कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिटिश कोलंबिया के वैज्ञानिकों द्वारा की गई इस स्टडी में पाया गया है कि सिर्फ उम्र बढ़ना ही इसका मुख्य कारण नहीं है, बल्कि उम्र के साथ शरीर के अंदर होने वाले बदलाव अधिक अहम भूमिका निभाते हैं। यह शोध जर्नल नेचर एजिंग में प्रकाशित हुआ है, जिसमें 15 से 86 वर्ष की 500 से अधिक महिलाओं के ब्रेस्ट टिश्यू सैंपल का गहन अध्ययन किया गया।

रिसर्च में सामने आया कि उम्र बढ़ने के साथ ब्रेस्ट टिश्यू की संरचना में बदलाव होने लगता है। कोशिकाओं की संख्या धीरे–धीरे कम होती है और उनकी कार्यक्षमता भी प्रभावित होती है। इस कारण टिश्यू का संतुलन बिगड़ जाता है, जिससे कैंसर कोशिकाओं के पनपने के लिए अनुकूल वातावरण तैयार हो सकता है। विशेषज्ञों का कहना है कि जब शरीर की कोशिकाएं कमजोर होती हैं, तो शरीर की मरम्मत करने की क्षमता भी घटने लगती है।

कम उम्र में शरीर खराब या असामान्य कोशिकाओं को आसानी से खत्म कर देता है, लेकिन जैसे–जैसे उम्र बढ़ती है, यह प्रक्रिया धीमी हो जाती है। इससे शरीर में म्यूटेशन जमा होने लगते हैं, जो आगे चलकर कैंसर का कारण बन सकते हैं। यही वजह है कि बढ़ती उम्र के साथ कैंसर का जोखिम बढ़ता हुआ दिखाई देता है, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि उम्र ही इसकी एकमात्र वजह है। युवा अवस्था में इम्यून सिस्टम और रिपेयर सिस्टम मजबूत होते हैं, जिससे शरीर खुद को काफी हद तक सुरक्षित रख पाता है। वहीं, बढ़ती उम्र के साथ यह सुरक्षा तंत्र कमजोर पड़ जाता है। हालांकि, विशेषज्ञ यह भी स्पष्ट करते हैं कि हर अधिक उम्र की महिला को ब्रेस्ट कैंसर होगा, ऐसा जरूरी नहीं है, बल्कि यह केवल जोखिम बढ़ने का संकेत है। यह रिसर्च इसलिए भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है, क्योंकि इससे डॉक्टरों को ब्रेस्ट कैंसर के वास्तविक कारणों को समझने में मदद मिलेगी। इसके आधार पर भविष्य में बेहतर जांच, समय पर पहचान और प्रभावी इलाज के नए रास्ते खुल सकते हैं।

ग्लोइंग स्किन के रास्ते में आपकी ये छोटी छोटी गलतियां बन रही हैं बाधा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आजकल हर कोई ग्लोइंग और हेल्दी स्किन पाना चाहता है, जिसके लिए लोग महंगे प्रोडक्ट्स और अलग–अलग स्किनकेयर रूटीन अपनाते हैं, लेकिन इसके बावजूद कई बार मनचाहा रिजल्ट नहीं मिल पाता।

इसकी मुख्य वजह कुछ आम गलतियां होती हैं, जिन्हें हम अनजाने में करते रहते हैं। सबसे पहले, प्रोडक्ट्स को सही तरीके से न लगाना एक बड़ी समस्या है। हर स्किनकेयर प्रोडक्ट का अलग तरीका होता है, जैसे कुछ प्रोडक्ट गीली स्किन पर अच्छे से काम करते हैं, जबकि कुछ को सूखी स्किन पर लगाना जरूरी होता है। गलत तरीके से लगाने पर उनका असर कम हो जाता है। इसके अलावा, बार–बार चेहरे को छूना भी नुकसानदायक होता है, क्योंकि हाथों की गंदगी और बैक्टीरिया स्किन पर जाकर पिंपल्स और इंफेक्शन का कारण बनते हैं। वहीं, ज्यादा एक्सफोलिएशन करना भी स्किन के लिए हानिकारक हो सकता है, क्योंकि इससे स्किन की नेचुरल बैरियर डैमेज हो जाती है और ड्रायनेस व सेंसिटिविटी बढ़ जाती है। रात में चेहरे को ठीक से साफ न करना भी एक बड़ी गलती है, क्योंकि दिनभर की धूल, पॉल्यूशन और मेकअप पोर्स को बंद कर देते हैं, जिससे प्रोडक्ट्स सही से काम नहीं कर पाते। इसके अलावा, सोशल मीडिया के हर ट्रेंड को फॉलो करना भी गलत है, क्योंकि हर व्यक्ति की स्किन अलग होती है और वही प्रोडक्ट सभी पर काम नहीं करता। इसलिए, बेहतर रिजल्ट के लिए सही तरीका, सही प्रोडक्ट और हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाना बेहद जरूरी है।

बच्चों के लिए संजीवनी है जायफल

आयुर्वेद से जानें फायदे और सावधानियां

यूनिक समय, नई दिल्ली। बदलते मौसम का असर सबसे ज्यादा बच्चों की सेहत पर पड़ता है, क्योंकि उनकी इम्यूनिटी कमजोर होती है और वे जल्दी सर्दी–जुकाम या पेट की समस्याओं का शिकार हो जाते हैं। ऐसे में आयुर्वेद में किचन में मौजूद जायफल को एक प्रभावी घरेलू उपाय माना गया है, जो बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करता है। आयुर्वेद के अनुसार जायफल वात–शामक, पाचक और मेध्य गुणों से भरपूर होता है, जो न सिर्फ इम्यूनिटी मजबूत करता है बल्कि मस्तिष्क को भी पोषण देता है और पेट से जुड़ी समस्याओं में राहत पहुंचाता है।

जायफल का सीमित मात्रा में सेवन बच्चों के लिए कई तरह से फायदेमंद होता है। इससे सर्दी, खांसी और जुकाम में आराम मिलता है, साथ ही यह बेचैनी को कम कर बच्चों को बेहतर नींद दिलाने में भी मदद करता है। जिन बच्चों को रात में ठीक से नींद नहीं आती, उनके लिए भी यह लाभकारी माना जाता है, क्योंकि यह तंत्रिका तंत्र को शांत करता है। हालांकि, आयुर्वेद में जायफल को सीधे देने के बजाय खास तरीके से तैयार करने की सलाह दी गई है। पारंपरिक रूप से पहले इसे दूध में उबाला जाता है, फिर कुछ समय के लिए दही में रखा जाता है और अंत में घी में पकाया जाता है। इस प्रक्रिया से इसकी तीक्ष्णता कम हो जाती है और यह बच्चों के लिए अधिक सुरक्षित और प्रभावी बनता है। इसके बाद इसे दूध में घिसकर बहुत कम मात्रा में ही बच्चों को दिया जाता है। ध्यान रखने वाली बात यह है कि जायफल का अधिक सेवन नुकसानदायक हो सकता है। छह महीने से कम उम्र के बच्चों को बिना डॉक्टर की सलाह के इसे नहीं देना चाहिए और अगर बच्चे का पेट खराब हो तो इसका सेवन कराने से बचना चाहिए। सही मात्रा और सही तरीके से उपयोग किया गया जायफल बच्चों की सेहत के लिए काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।

मस्त मौसम और लॉन्ग वीकेंड का मौका

अप्रैल की सुहावनी शुरुआत में न गर्मी का असर, न ठंड की मार

यूनिक समय, नई दिल्ली। अप्रैल का महीना शुरू होते ही मौसम बेहद सुहावना हो जाता है। न ज्यादा गर्मी होती है और न ही ठंड, जिससे घूमने–फिरने का यह समय सबसे बेहतर माना जाता है।

खासतौर पर इस बार गुड फ्राइडे के साथ शनिवार और रविवार मिलकर एक शानदार लॉन्ग वीकेंड का मौका दे रहे हैं। ऐसे में अगर आप भी रोजमर्रा की भागदौड़ से ब्रेक लेकर कहीं घूमने का प्लान बना रहे हैं, तो यह समय बिल्कुल सही है। देश में कई ऐसी खूबसूरत जगहें हैं, जहां आप कम समय में बेहतरीन ट्रिप का आनंद ले सकते हैं।

ऋषिकेश एडवेंचर और सुकून का संगमः दिल्ली–एनसीआर के लोगों के लिए ऋषिकेश सबसे आसान और लोकप्रिय विकल्प है। यहां गंगा के किनारे बैठकर सुकून के पल बिताए जा सकते हैं। योग और मेडिटेशन के साथ–साथ रिवर राफ्टिंग जैसी एडवेंचर एक्टिविटीज का भी लुत्फ उठाया जा सकता है। अप्रैल में यहां का मौसम खासा सुहावना रहता है, जो ट्रिप को और भी यादगार बना देता है।

मसूरी पहाड़ों की ठंडी वादियांः क्वीन ऑफ हिल्स के नाम से मशहूर मसूरी इस मौसम में और भी आकर्षक हो जाती है। यहां की ठंडी हवाएं, हरे–भरे पहाड़ और मॉल रोड की रौनक पर्यटकों को खासा पसंद आती है। यह जगह कपल्स और फैमिली दोनों के लिए उपयुक्त है, जहां आप आराम से क्वालिटी टाइम बिता सकते हैं।

जिम कॉर्बेट वाइल्डलाइफ का रोमांचः प्रकृति और वन्यजीव प्रेमियों के लिए जिम कॉर्बेट नेशनल पार्क एक बेहतरीन विकल्प है। अप्रैल के महीने में यहां जानवरों को देखने की संभावना अधिक रहती है। जंगल सफारी का अनुभव इस ट्रिप को रोमांच से भर देता है और प्रकृति के करीब ले जाता है।

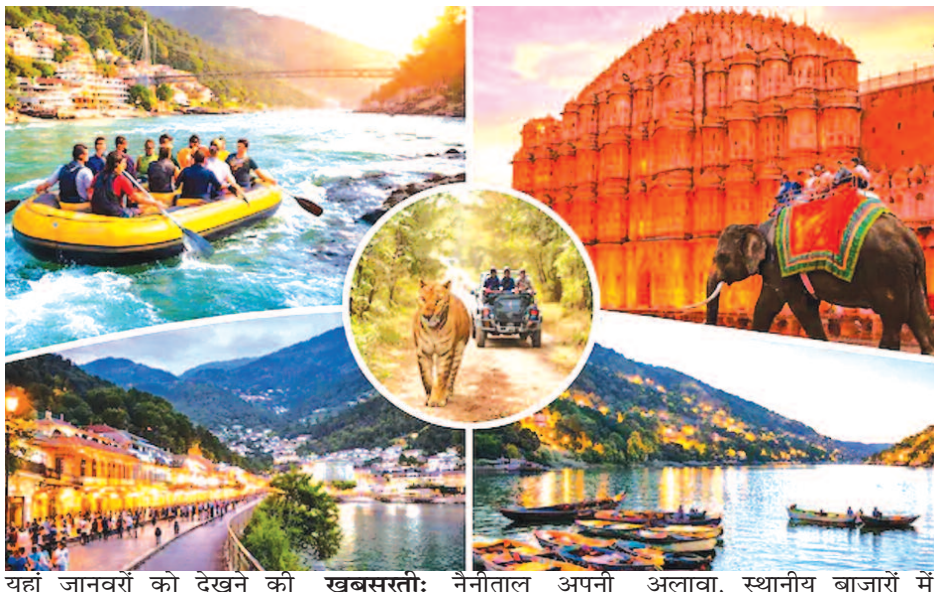

नैनीताल झीलों की खूबसूरतीः नैनीताल अपनी खूबसूरत झीलों और शांत वातावरण के लिए प्रसिद्ध है। यहां बोटिंग का आनंद लेने के साथ–साथ पहाड़ों के बीच सुकून के पल बिताए जा सकते हैं। इसके अलावा, स्थानीय बाजारों में शॉपिंग भी इस ट्रिप का खास हिस्सा बन सकती है।

जयपुर इतिहास और रॉयल अनुभवः अगर आप ज्यादा दूर नहीं जाना चाहते, तो जयपुर एक शानदार विकल्प हो सकता है। यहां का मौसम इस समय काफी संतुलित रहता है, जिससे आप हवामहल, आमेर किला और सिटी पैलेस जैसी ऐतिहासिक जगहों को आराम से घूम सकते हैं। जयपुर का रॉयल माहौल और संस्कृति हर किसी को आकर्षित करती है।

ट्रिप प्लानिंग के जरूरी टिप्सः लॉन्ग वीकेंड के कारण भीड़ अधिक हो सकती है, इसलिए होटल और यात्रा की बुकिंग पहले से कर लें।

साथ ही मौसम को ध्यान में रखते हुए हल्के गर्म और हल्के ठंडे कपड़े साथ रखें। कोशिश करें कि भीड़भाड़ वाली जगहों पर सुबह जल्दी निकलें, ताकि आप ज्यादा से ज्यादा जगहें आराम से देख सकें। अपने बजट के अनुसार ट्रिप की योजना बनाकर आप इस छोटे से ब्रेक को यादगार बना सकते हैं।

सुविचार

समय का सही उपयोग ही जीवन को सफल और सार्थक बनाता है।

कल का पंचांग

तिथि	द्वितीया 08:42-10:09 तक	पक्ष	कृष्ण पक्ष
नक्षत्र	स्वाति 07:24- 09:35 तक	माह	बैशाख
सूर्योदय	6:10 AM	चन्द्रोदय	8:52 PM
सूर्यास्त	6:34 PM	चंद्रास्त	7:37 AM
सूर्य राशि	मीन राशि	चंद्र	तुला राशि
शुभ मुहूर्त	12:12PM -12:59 PM	ब्रहम् मुहूर्त	04:34-05:22
त्योहार/व्रत		विक्रम संवत्	2083
राहुकाल	09:16 AM: 10:49 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

सभी 12 महीनों में सबसे श्रेष्ठ है वैशाख माह

वैशाख माह में स्नान और दान से मिलता है अक्षय पुण्य लाभ

यूनिक समय, मथुरा। हिंदू नववर्ष का दूसरा माह वैशाख आज से प्रारंभ हो गया है। इसे अत्यंत पवित्र और फलदायी महीना माना जाता है। शास्त्रों में इसे "माधव मास" भी कहा गया है, जो भगवान विष्णु को समर्पित है। इस पूरे माह में स्नान, दान और पूजा का विशेष महत्व बताया गया है। मान्यता है कि इस दौरान किए गए धार्मिक कार्यों से अक्षय पुण्य की प्राप्ति होती है।

वैशाख माह में प्रतिदिन प्रातःकाल स्नान करने का विशेष विधान है। शास्त्रों के अनुसार, ब्रह्म मुहूर्त में उठकर सूर्योदय से पहले स्नान करना सबसे उत्तम माना जाता है। यदि संभव हो तो नदी, सरोवर या किसी तीर्थ स्थान पर स्नान करना अधिक पुण्यदायी होता है, लेकिन यदि ऐसा संभव न हो तो घर पर शुद्ध जल में गंगाजल मिलाकर स्नान किया जा सकता है। स्नान के समय अपने इष्ट देव का स्मरण करना और मन को शुद्ध रखना आवश्यक माना गया है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, वैशाख में नियमित स्नान करने से शरीर और मन के दोष दूर होते हैं, रोगों से मुक्ति मिलती है और जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। इसके साथ ही व्यक्ति के तेज और प्रभाव में भी वृद्धि होती है। यही कारण है कि इस माह को तप, संयम और साधना का समय माना गया है।

स्नान के बाद स्वच्छ वस्त्र धारण कर भगवान विष्णु की विधिपूर्वक पूजा करनी चाहिए। "ॐ नमो भगवते वासुदेवाय" या "हरे राम हरे राम" जैसे मंत्रों का जाप विशेष फलदायी माना गया है। श्रद्धालु अपनी क्षमता के अनुसार 108 या 1008 बार मंत्र जप कर सकते हैं। कई लोग इस माह में एक समय भोजन करने का नियम भी अपनाते हैं, जिससे आत्मसंयम और अनुशासन का विकास होता है।

वैशाख माह में मेष संक्रांति का भी विशेष महत्व है। इस दिन सूर्य देव के मेष राशि में प्रवेश करने पर स्नान और दान करने से विशेष पुण्य प्राप्त होता है। इस वर्ष यह पर्व 14 अप्रैल को मनाया जाएगा।

वैशाख मास का एक नाम माधव मास भी है। इस मास के देवता "मधुसूदन" हैं। मधु दैत्य का वध होने के कारण उन्हें मधुसूदन कहते हैं।

विष्णु सहस्त्रनाम के अनुसार किसी भी प्रकार के संकट में श्रीविष्णु के नाम मधुसूदन का स्मरण करना चाहिए। कहा जाता है कि इस महीने श्रीविष्णु के अवतार कृष्ण की पूजा का विशेष फल मिलता है। लेकिन, कुछ कार्य करने की मनाही भी होती है। अब सवाल है कि आखिर वैशाख माह में किन उपायों को करने से लाभ होगा? वैशाख माह क्या नहीं करना चाहिए? इस बारे में ज्योतिषाचार्य पं. अजय कुमार तैलंग ने बताया.....

भूमि दानः शिवपुराण के अनुसार, वैशाख में भूमि का दान करना अधिक लाभकारी है। ऐसा करने वाले जातकों को आरोग्य वर की प्राप्ति होती है। साथ ही, ऐसे जातक के घर में निगेटिविटी नहीं आती है।

सत्तू दानः ब्रह्मवैवर्त पुराण के अनुसार, वैशाख मास में ब्राह्मण को सत्तू दान करने वाला पुरुष सत्तू कण के बराबर वर्षों तक विष्णु मन्दिर में प्रतिष्ठित होता है। ऐसे लोगों की समाज में भी काफी इज्जत बढ़ती है।

ये कार्य भी शुभः इसके अलावा, वैशाख मास में गृह प्रवेश करने से धन, वैभव, संतान एवं आरोग्य की प्राप्ति होती हैं। इसके अलावा, देव प्रतिष्ठा के लिये वैशाख मास शुभ है। वृक्षारोपण के लिए वैशाख मास विशेष शुभ है।

वैशाख में क्या न करेंः वैशाख में तेल लगाना, दिन में सोना, कांस्यपात्र में भोजन करना, खाट पर सोना, घर में नहाना, निषिद्ध पदार्थ खाना, दोबारा भोजन करने से बचना चाहिए। इस माह इन 8 काम को करने मनाही होती है।

व्रत–त्योहार का कैलेंडर 2026

- 5 अप्रैल, दिन रविवारः विकट संकष्टी
- 13 अप्रैल, दिन सोमवारः वरूथिनी एकादशी
- 14 अप्रैल, दिन मंगलवारः बैसाखी
- 15 अप्रैल, दिन बुधवारः बुध प्रदोष व्रत, वैशाख मासिक शिवरात्रि
- 17 अप्रैल, दिन शुक्रवारः दर्श अमावस्या, वैशाख अमावस्या
- 19 अप्रैल, दिन रविवारः अक्षय तृतीया
- 20 अप्रैल, दिन सोमवारः संकर्षण चतुर्थी
- 27 अप्रैल, दिन सोमवारः मोहिनी एकादशी
- 28 अप्रैल, दिन मंगलवारः भौम प्रदोष व्रत
- 1 मई, दिन शुक्रवारः वैशाख पूर्णिमा
- 5 मई, दिन मंगलवारः एकदन्त संकष्टी
- 13 मई, दिन बुधवारः अपरा एकादशी
- 14 मई, दिन बृहस्पतिवारः गुरु प्रदोष व्रत
- 15 मई, दिन शुक्रवारः ज्येष्ठ मासिक शिवरात्र
- 16 मई, दिन शनिवारः ज्येष्ठ अमावस्या, पहली शनि अमावस्या
- 20 मई, दिन बुधवारः वरद चतुर्थी
- 27 मई, दिन बुधवारः पद्मिनी एकादशी
- 28 मई, दिन बृहस्पतिवारः गुरु प्रदोष व्रत
- 30 मई, दिन शनिवारः ज्येष्ठ अधिक पूर्णिमा

कल का राशिफल

कल का दिन सभी राशियों के लिए अलग–अलग संकेत लेकर आया है। जहां कुछ लोगों के लिए यह दिन खुशियां और सफलता लेकर आएगा, वहीं कई राशियों को सावधानी बरतने की जरूरत है।

मेष राशि के लिए दिन शुभ रहेगा। कार्य समय पर पूरे होंगे और किसी रिश्तेदार से अच्छी खबर मिल सकती है, जिससे घर में खुशी का माहौल रहेगा।

वृषभ राशि को यात्रा के दौरान सतर्क रहना होगा, चोट और धन हानि के योग हैं। परिवार में आपकी बातों को महत्व न मिलने से तनाव बढ़ सकता है।

मिथुन राशि वालों के लिए रिश्तों और आर्थिक मामलों में परेशानी के संकेत हैं। चोरी या नुकसान से बचने के लिए सावधानी जरूरी है।

कर्क राशि को आर्थिक दबाव का सामना करना पड़ सकता है, हालांकि रिश्तों में सुधार होगा।

सिंह राशि के लिए कार्यक्षेत्र में चुनौतियां रहेंगी, नई जिम्मेदारियां कठिन लग सकती हैं।

कन्या राशि को स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की जरूरत है और विरोधियों से सतर्क रहना होगा।

तुला राशि के लिए दिन भागदौड़ भरा रहेगा, कीमती सामान संभालकर रखें।

वृश्चिक राशि को मानसिक तनाव और आर्थिक नुकसान से बचने की सलाह दी जाती है।

धनु राशि को धोखे और चोट के योग हैं, आर्थिक मामलों में सावधानी रखें।

मकर राशि के लिए संपत्ति संबंधी मामलों में नुकसान हो सकता है और खर्च बढ़ेंगे।

कुंभ राशि को स्वास्थ्य के प्रति लापरवाही भारी पड़ सकती है, नौकरी बदलने का समय भी अनुकूल नहीं है।

मीन राशि के लिए दिन सकारात्मक रहेगा, पुराने रिश्तों में सुधार होगा, हालांकि स्वास्थ्य को लेकर थोड़ी परेशानी रह सकती है।

मनी प्लांट के आसान उपाय से धन रुकने के संकेत

यूनिक समय, मथुरा। कई बार मेहनत के बावजूद पैसा आता तो है, लेकिन टिकता नहीं। ऐसे में लोग ज्योतिष और वास्तु से जुड़े छोटे–छोटे उपाय अपनाते हैं। घर में लगाया जाने वाला मनी प्लांट केवल सजावट नहीं, बल्कि समृद्धि और सकारात्मक ऊर्जा का प्रतीक माना जाता है।

ज्योतिष के अनुसार इसका संबंध शुक्र ग्रह से होता है, जो सुख और वैभव का कारक है। मनी प्लांट पर कुछ खास चीजें बांधना शुभ माना जाता है। जैसे लाल कपड़े में लिपटी कौड़ी को शुक्रवार के दिन बांधना धन आकर्षण का प्रतीक माना जाता है। इसी तरह पूजा के बाद कलावा बांधने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है और आर्थिक स्थिरता आने की मान्यता है। इसके अलावा गमले में सिक्का रखना या बेल में बांधना भी धन वृद्धि का संकेत माना जाता है। साथ ही इस पौधे को दक्षिण–पूर्व दिशा में रखना और उसे हरा–भरा बनाए रखना जरूरी है। सूखा पौधा आर्थिक रुकावट का संकेत माना जाता है। ये उपाय आस्था पर आधारित हैं, लेकिन लोगों को मानसिक भरोसा और सकारात्मक सोच जरूर देते हैं।

घर के संकेत को समझें, वरना जीवन में बढ़ेंगी परेशानियां

यूनिक समय, मथुरा। घर केवल रहने की जगह नहीं, बल्कि हमारी मानसिक स्थिति, ऊर्जा और जीवन की दिशा को भी प्रभावित करता है। कई बार बिना किसी स्पष्ट कारण के तनाव, बेचैनी या रुकावट महसूस होती है। वास्तु और ज्योतिष के अनुसार, यह संकेत हो सकता है कि घर की ऊर्जा संतुलित नहीं है। ऐसे में कुछ सामान्य दिखने वाली चीजें भी बड़े संकेत देती हैं, जिन्हें समय रहते समझना जरूरी है।

सबसे पहले बात मुख्य द्वार की करें तो यह घर में ऊर्जा के प्रवेश का प्रमुख माध्यम माना जाता है। यदि दरवाजा खोलते या बंद करते समय चरमराहट की आवाज आती है या वह ठीक से काम नहीं करता, तो इसे नकारात्मक ऊर्जा का संकेत माना जाता है। इसे नजरअंदाज करने के बजाय तुरंत ठीक कराना बेहतर होता है।

घर में सूर्य का प्रकाश भी बेहद महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अगर घर में पर्याप्त धूप और ताजी हवा नहीं आती, तो वातावरण भारी और नकारात्मक महसूस हो सकता है। सुबह खिड़कियां खोलना, घर को हवादार रखना और हल्के रंगों का उपयोग सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ाने में मदद करता है।

पौधे भी घर की स्थिति का संकेत देते हैं। यदि घर में लगे पौधे बार–बार सूख जाते हैं या बढ़ नहीं पाते, तो यह असंतुलित ऊर्जा की ओर इशारा कर सकता है। वहीं, हरे–भरे पौधे सुख–समृद्धि और शांति के प्रतीक माने जाते हैं।

इसी तरह घर में पानी का रिसाव या गंदा पानी जमा होना भी शुभ नहीं माना जाता। यह आर्थिक समस्याओं और मानसिक तनाव का कारण बन सकता है, इसलिए इसे तुरंत ठीक करना जरूरी है।

घर का माहौल भी बहुत कुछ बताता है। यदि बिना वजह तनाव और झगड़े बढ़ रहे हैं, तो यह संकेत है कि ऊर्जा संतुलन बिगड़ रहा है। वहीं, शांति और सकारात्मकता अच्छे संकेत हैं। छोटे–छोटे बदलाव और जागरूकता से घर की ऊर्जा को संतुलित किया जा सकता है, जिससे जीवन में सुख और स्थिरता आती है।

सम्पादकीय

बुजुर्ग सम्मान कानून से नहीं संस्कार से आएगा

तेलंगाना सरकार द्वारा बुजुर्गों के भरण–पोषण हेतु लाया गया नया कानून निस्संदेह एक सराहनीय और समयानुकूल पहल है। यह कानून उन परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया गया है, जहां संतान अपने ही माता–पिता की जिम्मेदारी निभाने से पीछे हट जाती है। ऐसे में वेतन से कटौती कर माता–पिता को आर्थिक सहायता देना एक सख्त लेकिन जरूरी कदम प्रतीत होता है। यह केवल कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि सामाजिक चेतना को झकझोरने का प्रयास भी है।

आज के बदलते सामाजिक ढांचे में संयुक्त परिवार तेजी से समाप्त हो रहे हैं और एकल परिवारों का चलन बढ़ा है। व्यस्त जीवनशैली, करियर की दौड़ और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की चाह ने पारिवारिक मूल्यों को कमजोर किया है। इसका सबसे अधिक असर बुजुर्गों पर पड़ा है, जो जीवन के अंतिम पड़ाव में अकेलापन, असुरक्षा और उपेक्षा झेलने को मजबूर हैं। ऐसे में यह कानून उन्हें आर्थिक सहारा देने का माध्यम बन सकता है।

पवन गौतम
संपादक

हालांकि, यह भी उतना ही सच है कि कानून केवल जिम्मेदारी तय कर सकता है, भावनाएं नहीं। माता–पिता की सेवा और सम्मान केवल मजबूरी से नहीं, बल्कि संस्कार और संवेदना से ही संभव है। यदि संबंधों में प्रेम, संवाद और समझ नहीं होगी, तो कानूनी उपाय भी सीमित प्रभाव ही छोड़ेंगे। परिवार केवल अधिकार और कर्तव्य का बंधन नहीं, बल्कि भावनात्मक जुड़ाव की संस्था है। समस्या का दूसरा पहलू भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कई बार माता–पिता और बच्चों के बीच पीढ़ीगत अंतर, अपेक्षाओं का दबाव और निजी जीवन में हस्तक्षेप भी दूरी का कारण बनते हैं। इसलिए आवश्यक है कि दोनों पक्ष एक–दूसरे की भावनाओं और परिस्थितियों को समझें। जहां बच्चों को अपने कर्तव्यों का बोध हो, वहीं माता–पिता भी समय के साथ बदलती सोच को स्वीकार करें।

इस कॉलम को मोबाइल पर सुनने के लिए QR कोड को स्कैन करें।

समाधान केवल कानून में नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक संतुलन में निहित है। स्कूलों, समाज और परिवार में बुजुर्गों के सम्मान के संस्कार विकसित करना होंगे। संवाद को बढ़ावा देना होगा और संबंधों में संवेदनशीलता लानी होगी।

अंततः, किसी भी समाज की सभ्यता का आकलन इस बात से होता है कि वह अपने बुजुर्गों के साथ कैसा व्यवहार करता है। यदि बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट हैं, तभी विकास सार्थक है। इसलिए आवश्यक है कि कानून के साथ–साथ मानवीय मूल्यों को भी सशक्त किया जाए, तभी एक संतुलित और संवेदनशील समाज का निर्माण संभव है।

नजरिया

बिहार शरीफ शीतला माता मंदिर हादसा

आस्था, अव्यवस्था और जवाबदेही का कठोर सच

बोध प्रकाश सगुणी

बिहार के नालंदा जिले के बिहारशरीफ स्थित शीतला माता मंदिर में 31 मार्च 2026 को हुई भगदड़ केवल एक दुखद दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारी प्रशासनिक व्यवस्था, भीड़ प्रबंधन और सामाजिक जिम्मेदारी की गहरी विफलता का आईना है। चैत्र मास के अंतिम मंगलवार को उमड़ी भारी भीड़, अपर्याप्त सुरक्षा इंतजाम और प्रबंधन की कमी ने मिलकर एक ऐसी त्रासदी को जन्म दिया, जिसमें कई निर्दोष श्रद्धालुओं–अधिकांशतः महिलाओं–ने अपनी जान गंवा दी। यह घटना उस विडंबना को उजागर करती है, जहां लोग शांति और आस्था की तलाश में मंदिर जाते हैं, लेकिन अव्यवस्था के कारण जीवन से हाथ धो बैठते हैं।

भारत जैसे आस्थावान देश में धार्मिक स्थलों पर भीड़ जुटना स्वाभाविक है। लेकिन यह भी उतना ही सत्य है कि भीड़ प्रबंधन केवल अनुमान का विषय नहीं, बल्कि वैज्ञानिक योजना और प्रशासनिक जिम्मेदारी का प्रश्न है। शीतला माता मंदिर हादसे में यह स्पष्ट रूप से सामने आया कि स्थानीय प्रशासन ने संभावित भीड़ का आकलन करने में गंभीर चूक की। न बैरिकेडिंग की समुचित व्यवस्था थी, न ही पर्याप्त पुलिस बल तैनात था। प्रवेश और निकास के लिए अलग–अलग मार्ग नहीं बनाए गए, जिससे धक्का–मुक्की की स्थिति उत्पन्न हुई और देखते ही देखते वह भगदड़ में बदल गई। यह पहली बार नहीं है जब इस प्रकार की घटना सामने आई हो। बिहार और अन्य राज्यों में इससे पहले भी कई बार धार्मिक आयोजनों के दौरान भगदड़ की घटनाएं हो चुकी हैं। 2014 के पटना दशहरा हादसे, 2018 के मुजफ्फरपुर गरीबनाथ मंदिर की घटना और 2024 के जहानाबाद मंदिर हादसे से लेकर उत्तर प्रदेश के हाथरस सत्संग कांड तक–हर बार कारण लगभग समान ही रहे हैं: भीड़ का अनियंत्रित होना, अफवाहों का फैलना और प्रशासनिक लापरवाही। सवाल यह उठता है कि हर हादसे के बाद जांच और मुआवजे की घोषणा के अलावा क्या वास्तव में कोई स्थायी सुधार हुआ है? मुख्यमंत्री द्वारा मुआवजे की घोषणा और संबंधित अधिकारियों पर कार्रवाई निश्चित रूप से आवश्यक कदम हैं, लेकिन ये केवल तात्कालिक प्रतिक्रियाएं हैं। वास्तविक आवश्यकता एक सुदृढ़ और दीर्घकालिक नीति की है, जो ऐसे हादसों को होने से पहले ही रोक सके। राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एडीएमए) द्वारा समय–समय पर जारी दिशानिर्देशों में स्पष्ट रूप से भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यक उपाय बताए गए हैं, जैसे–भीड़ का पूर्वानुमान, समयबद्ध प्रवेश व्यवस्था, सीसीटीवी निगरानी, आपातकालीन निकास मार्ग, और प्रशिक्षित सुरक्षा कर्मियों की तैनाती। दुर्भाग्यवश, इन दिशानिर्देशों का पालन अक्सर कागजों तक ही सीमित रह जाता है। धार्मिक स्थलों के प्रबंधन में एक और महत्वपूर्ण पहलू सामने आता है–आर्थिक और प्रशासनिक असमानता। बड़े और समृद्ध मंदिरों में जहां बेहतर व्यवस्थाएं और संसाधन उपलब्ध होते हैं, वहीं छोटे और स्थानीय मंदिरों की व्यवस्था अक्सर स्वयंसेवकों और सीमित संसाधनों पर निर्भर होती है। ऐसे में राज्य सरकारों और स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी और बढ़ जाती है कि वे इन स्थलों पर भी न्यूनतम सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करें। सिर्फ प्रशासन ही नहीं, समाज और श्रद्धालुओं की भी जिम्मेदारी कम नहीं है। भीड़ के दौरान धैर्य बनाए रखना, अफवाहों से बचना और प्रशासनिक निर्देशों का पालन करना हर व्यक्ति का कर्तव्य है। कई बार छोटी–सी अफवाह या घबराहट भी बड़ी त्रासदी का कारण बन जाती है। इसलिए जागरूकता और अनुशासन भी उतने ही आवश्यक हैं जितनी कि प्रशासनिक तैयारी।

तकनीक का उपयोग भीड़ प्रबंधन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित सीसीटीवी, ड्रोन निगरानी, और रियल–टाइम डेटा एनालिसिस के माध्यम से भीड़ की स्थिति पर नजर रखी जा सकती है और समय रहते आवश्यक कदम उठाए जा सकते हैं। इसके अलावा, ऑनलाइन पंजीकरण और स्लॉट आधारित दर्शन व्यवस्था लागू कर भीड़ को नियंत्रित किया जा सकता है। अंततः, यह समझना आवश्यक है कि आस्था और सुरक्षा एक–दूसरे के पूरक होने चाहिए, विरोधी नहीं। यदि मंदिरों और धार्मिक आयोजनों में श्रद्धालुओं की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की जा सकती, तो यह न केवल प्रशासन की विफलता है, बल्कि समाज की सामूहिक असंवेदनशीलता भी है। शीतला माता मंदिर हादसा एक चेतावनी है–यदि अब भी हम नहीं चेते, तो ऐसी त्रासदियां भविष्य में भी दोहराई जाती रहेंगी।

इसलिए आवश्यक है कि सरकार, प्रशासन, मंदिर प्रबंधन और समाज मिलकर एक समन्वित और उत्तरदायी व्यवस्था विकसित करें, जहां आस्था के साथ–साथ जीवन की सुरक्षा भी सर्वोच्च प्राथमिकता हो। तभी हम उन निर्दोष लोगों की मृत्यु से कोई सार्थक सबक ले पाएंगे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने में सफल होंगे।

विचार विण्डो

फुटपाथों पर अतिक्रमण से पैदल यात्री हो रहे बेहाल

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत के शहर तेजी से विकसित हो रहे हैं, लेकिन इस विकास की रफ्तार में एक वर्ग लगातार पीछे छूटता जा रहा है–पैदल चलने वाले लोग। सड़कों से गायब होते फुटपाथ आज शहरी जीवन की एक गंभीर और चिंताजनक सच्चाई बन चुके हैं। यह केवल अवसंरचना की कमी नहीं, बल्कि प्रशासनिक प्राथमिकताओं की विफलता और नियोजन की खामियों का परिणाम है। हाल के वर्षों में सामने आए आंकड़े यह बताते हैं कि सड़क दुर्घटनाओं में बड़ी संख्या पैदल यात्रियों की होती है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि शहरों का ढांचा उन्हें सुरक्षित रखने में असफल हो रहा है।

शहरी नियोजन का मौजूदा मॉडल मुख्यतः मोटर वाहनों के इर्द–गिर्द केंद्रित है। चौड़ी सड़कें, फ्लाईओवर और तेज रफ्तार यातायात को प्राथमिकता दी जाती है, जबकि फुटपाथों को या तो नजरअंदाज कर दिया जाता है या औपचारिकता के तौर पर बनाया जाता है। परिणामस्वरूप, जहां फुटपाथ हैं भी, वे टूटे–फूटे, संकरे और बाधाओं से भरे होते हैं। कहीं बिजली के खंभे रास्ता रोकते हैं, तो कहीं निर्माण सामग्री या कूड़े के ढेर। ऐसे में पैदल चलने वाले लोग मजबूर होकर सड़क पर उतरते हैं, जिससे दुर्घटनाओं का खतरा कई गुना बढ़ जाता है।

इस समस्या को और गंभीर बनाता है फुटपाथों पर बढ़ता अतिक्रमण। शहरों में फुटपाथ अब केवल चलने के लिए नहीं, बल्कि बहुउद्देश्यीय उपयोग के स्थान बन गए हैं। रेहड़ी–पटरी वाले, अस्थायी दुकानें, अवैध पार्किंग, यहां तक कि स्थायी निर्माण तक फुटपाथों पर कब्जा जमाए बैठे हैं। यह स्थिति केवल कानून व्यवस्था की कमजोरी नहीं, बल्कि शहरी अर्थव्यवस्था और आजीविका के संकट का भी प्रतिबिंब है। बड़ी संख्या में लोग जीविकोपार्जन के लिए फुटपाथों पर निर्भर हैं, लेकिन उनके लिए वैकल्पिक और व्यवस्थित स्थान उपलब्ध नहीं कराए गए हैं।

"स्ट्रीट वेंडर्स (जीविका संरक्षण और विनियमन) अधिनियम 2014" का उद्देश्य यही था कि रेहड़ी–पटरी वालों को नियोजित तरीके से स्थान दिया जाए, ताकि उनकी रोजी–रोटी भी सुरक्षित रहे और सार्वजनिक स्थानों पर अतिक्रमण भी नियंत्रित हो। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि अधिकांश शहरों में इस कानून का प्रभावी क्रियान्वयन नहीं हो पाया है। टाउन वेंडिंग कमेटियां या तो बनी ही नहीं हैं या सक्रिय नहीं हैं, और जहां बनी हैं, वहां भी वेंडिंग जोन पर्याप्त नहीं हैं। इसका

परिणाम यह है कि अव्यवस्था बनी रहती है और फुटपाथों का मूल उद्देश्य समाप्त हो जाता है।

प्रशासनिक स्तर पर समस्या और भी जटिल हो जाती है। नगर निगम, यातायात पुलिस और विकास प्राधिकरणों के बीच समन्वय की कमी साफ दिखाई देती है। अतिक्रमण हटाने के लिए समय–समय पर अभियान चलाए जाते हैं, लेकिन वे केवल अस्थायी समाधान साबित होते हैं। कुछ दिनों बाद स्थिति फिर वैसी ही हो जाती है। इसका एक बड़ा कारण राजनीतिक दबाव और इच्छाशक्ति की कमी भी है, क्योंकि अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई अक्सर स्थानीय विरोध का कारण बनती है।

फुटपाथों की खराब डिजाइन और गुणवत्ता भी एक अहम मुद्दा है। कई स्थानों पर फुटपाथ इतने संकरे होते हैं कि दो लोग साथ चल भी नहीं सकते। कहीं ऊंचाई इतनी अधिक होती है कि बुजुर्ग या दिव्यांग व्यक्ति चढ़ ही नहीं सकते। यह स्थिति न केवल असुविधाजनक है, बल्कि सामाजिक न्याय के सिद्धांत के भी खिलाफ है। पैदल चलने वाले अधिकतर लोग समाज के कमजोर वर्गों से आते हैं–मजदूर, छात्र, महिलाएं और बुजुर्ग। ऐसे में फुटपाथों का अभाव सीधे–सीधे असमानता को बढ़ावा देता है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखें तो कई शहरों ने पैदल यात्रियों को प्राथमिकता देकर बेहतर शहरी जीवन का उदाहरण प्रस्तुत किया है। जहां सुरक्षित और व्यवस्थित फुटपाथ हैं, वहां दुर्घटनाएं कम होती हैं, प्रदूषण घटता है और लोगों का स्वास्थ्य बेहतर रहता है। इसके विपरीत, भारत के अधिकांश शहर अभी भी वाहन–केंद्रित विकास मॉडल पर टिके हुए हैं।

समाधान के लिए सबसे पहले सोच में बदलाव जरूरी है। फुटपाथों को 'वैकल्पिक सुविधा' नहीं, बल्कि 'मूलभूत अधिकार' के रूप में देखा जाना चाहिए। हर नई सड़क परियोजना में फुटपाथ को अनिवार्य रूप से शामिल किया जाए और उसके लिए अलग बजट निर्धारित किया जाए। साथ ही, स्ट्रीट वेंडर्स के लिए व्यवस्थित वेंडिंग जोन विकसित किए जाएं, ताकि अतिक्रमण और आजीविका के बीच संतुलन स्थापित हो सके।

तकनीक का उपयोग भी इस दिशा में सहायक हो सकता है। सीसीटीवी निगरानी, स्मार्ट ट्रैफिक प्रबंधन और डिजिटल मैपिंग के जरिए फुटपाथों की स्थिति पर नजर रखी जा सकती है। इसके अलावा, नागरिकों की भागीदारी भी महत्वपूर्ण है। यदि लोग स्वयं जागरूक होकर फुटपाथों का सही उपयोग करें और अतिक्रमण के खिलाफ आवाज उठाएं, तो स्थिति में सुधार संभव है।

अंततः, फुटपाथों का मुद्दा केवल यातायात या शहरी नियोजन का नहीं, बल्कि नागरिक अधिकार और गरिमा का प्रश्न है। जब कोई व्यक्ति अपने ही शहर में सुरक्षित और सम्मानजनक तरीके से पैदल नहीं चल सकता, तो यह विकास की अवधारणा पर सवाल खड़ा करता है। स्मार्ट सिटी और आधुनिक अवसंरचना के दावों के बीच यह जरूरी है कि हम सबसे बुनियादी जरूरत–सुरक्षित पैदल मार्ग–को प्राथमिकता दें।

यदि प्रशासन ने समय रहते इस दिशा में ठोस और स्थायी कदम नहीं उठाए, तो शहरों की अव्यवस्था और असमानता और गहराती जाएगी। फुटपाथों की वापसी केवल एक संरचनात्मक सुधार नहीं, बल्कि शहरों को अधिक मानवीय और समावेशी बनाने की दिशा में एक अनिवार्य कदम है।

स्पिन पिच और ओस बन सकती है मैच का गेमचेंजर

चेन्नई सुपर किंग्स को अपनी पहली जीत की तलाश

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 में आज चेन्नई सुपर किंग्स (चेन्नई सुपर किंग्स) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच चेन्नई के एम.ए. चिदंबरम स्टेडियम (चेपॉक) में एक अहम मुकाबला खेला जाएगा। दोनों टीमें अलग–अलग मनोस्थिति के साथ मैदान में उतरेंगी, जहां चेन्नई अपनी पहली जीत की तलाश में होगी, वहीं पंजाब अपनी जीत की लय को बरकरार रखना चाहेगी।

सीएसके को अपने पहले मैच में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उस मुकाबले में टीम बल्लेबाजी और गेंदबाजी दोनों विभागों में कमजोर नजर आई थी। खासकर मिडिल ऑर्डर और डेथ ओवर्स में गेंदबाजी चिंता का विषय बनी हुई है। ऐसे में घरेलू मैदान पर वापसी करना टीम के लिए बेहद जरूरी हो गया है। कप्तान रुतुराज गायकवाड़ पर बड़ी जिम्मेदारी होगी और उनसे एक मजबूत पारी की उम्मीद की जा रही है।

साथ ही शिवम दुबे और डेवाल्ड ब्रेविस जैसे खिलाड़ी मैच का रुख बदल सकते हैं।

दूसरी ओर, पंजाब किंग्स ने अपने पहले मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की थी। टीम संतुलित नजर आई और बल्लेबाजी से लेकर गेंदबाजी तक सभी खिलाड़ियों ने योगदान दिया। कप्तान श्रेयस अय्यर ने दबाव में भी संयम दिखाया और टीम को मजबूती से संभाला। मार्कस स्टोइनिस जैसे ऑलराउंडर और अर्शदीप सिंह की गेंदबाजी टीम की ताकत हैं।

अगर हेड–टू–हेड रिकॉर्ड की बात करें तो दोनों टीमों के बीच अब तक 32 मुकाबले खेले गए हैं, जिनमें से 16–16 मैच दोनों ने जीते हैं। इससे मुकाबला काफी संतुलित दिखाई देता है, लेकिन हालिया फॉर्म में पंजाब का पलड़ा भारी नजर आता है, जिसने पिछले सात में से छह मैच जीते हैं।

पिच की बात करें तो चेपॉक की सतह पारंपरिक रूप से स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जाती है। हालांकि हाल के मैचों में यहां बल्लेबाजी भी अपेक्षाकृत आसान हुई है। पहली पारी का औसत स्कोर 160 से 165 के बीच रहता है। शाम के समय ओस गिरने की संभावना रहती है, जो दूसरी पारी में बल्लेबाजी को आसान बना सकती है। ऐसे में टॉस जीतने वाली टीम पहले गेंदबाजी करना पसंद कर सकती है।

मौसम पूरी तरह साफ रहने की उम्मीद है, दिन का तापमान लगभग 34 डिग्री और शाम को 26 डिग्री के आसपास रहेगा। मैच में किसी भी तरह की रुकावट की संभावना नहीं है। दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग इलेवन मजबूत नजर आ रही है, जिससे यह मुकाबला रोमांचक होने की पूरी उम्मीद है।

फैन के मजेदार कैप्शन ने खींचा ध्यान

चुपके से 'धुरंधर 2' देखने पहुंचे आर माधवन

यूनिक समय, नई दिल्ली। फिल्म 'धुरंधर 2' इन दिनों बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है और दर्शकों के साथ–साथ फिल्म इंडस्ट्री के सितारों को भी खूब पसंद आ रही है। इसी बीच अभिनेता आर माधवन का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह चुपके से सिनेमाघर में अपनी ही फिल्म देखते नजर आ रहे हैं।

यह वीडियो एक फैन ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर किया, जिसमें माधवन बेहद साधारण अंदाज में दर्शकों के बीच बैठकर फिल्म का आनंद लेते दिखाई दे रहे हैं। खास बात यह रही कि वह बिना किसी शोर–शराबे के यह जानने पहुंचे थे कि दर्शकों को फिल्म कैसी लग रही है। हालांकि, फैन की नजर पड़ते ही उनका यह 'सीक्रेट प्लान' खुल गया। वीडियो शेयर करते हुए फैन ने मजेदार कैप्शन लिखा, जिसने लोगों का ध्यान खींच लिया। सोशल मीडिया पर इस क्लिप को काफी पसंद किया जा रहा है और फैंस माधवन के इस सादगी भरे अंदाज की तारीफ कर रहे हैं। आदित्य धर के निर्देशन में बनी 'धुरंधर 2: द रिवेंज' में रणवीर सिंह, अर्जुन रामपाल, आर माधवन और राकेश बेदी जैसे सितारे नजर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी और कलाकारों के अभिनय को खूब सराहा जा रहा है।

वहीं, कमाई के मामले में भी फिल्म शानदार प्रदर्शन कर रही है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, फिल्म अब तक भारत में 900 करोड़ रुपये से ज्यादा का कलेक्शन कर चुकी है और वैश्विक स्तर पर 1100 करोड़ के पार पहुंच गई है।

मर्सिडीज–बेंज वी–क्लास को बनाया अपने कलेक्शन का हिस्सा अजय देवगन ने बर्थडे पर खुद को दिया लग्जरी गिफ्ट

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन इस समय अपनी अपकमिंग फिल्मों को लेकर व्यस्त हैं, लेकिन इन दिनों वह अपने लग्जरी कार कलेक्शन को लेकर सुर्खियों में आ गए हैं। हाल ही में 57वां जन्मदिन मनाने वाले अजय देवगन ने खुद को एक शानदार तोहफा दिया है। उन्होंने अपने गैराज में एक नई लग्जरी कार मर्सिडीज़–बेंज़ वी–क्लास शामिल की है, जिसकी कीमत करीब 1.40 करोड़ रुपये बताई जा रही है।

अजय देवगन कारों के बेहद शौकीन माने जाते हैं और उनके पास पहले से ही कई महंगी गाड़ियां मौजूद हैं। उनके कलेक्शन में रोल्स–रॉयस कलिनन,

मर्सिडीज़–मेबैक जीएलस 600 जैसी लग्जरी कारें शामिल हैं। अब इस नई कार के जुड़ने से उनका कलेक्शन और भी खास हो गया है।

दिलचस्प बात यह है कि इसी कार को हाल ही में बॉलीवुड के किंग खान शाहरुख खान ने भी खरीदा था। इसके अलावा, भारतीय क्रिकेटर हार्दिक पंड्या ने भी कुछ समय पहले यह लग्जरी एमपीवी अपनी गर्लफ्रेंड को गिफ्ट की थी। ऐसे में मर्सिडीज़–बेंज़ वी–क्लास तेजी से सेलेब्रिटीज की पसंद बनती जा रही है।

मर्सिडीज–बेंज वी–क्लास को हाल ही में भारतीय बाजार में दोबारा लॉन्च किया गया है। करीब चार साल बाद इस मॉडल की वापसी हुई है, जिसे खासतौर पर लग्जरी और कम्फर्ट के लिए जाना जाता है। इसमें प्रीमियम इंटीरियर, शानदार सीटिंग और एडवांस फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे लंबी यात्रा के लिए बेहद आरामदायक बनाते हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो अजय देवगन की कई बड़ी फिल्में इस साल रिलीज होने वाली हैं, जिनमें 'धमाल 4', 'दृश्यम 3' और 'रेंजर' शामिल हैं। हालांकि, फिलहाल वह अपनी फिल्मों से ज्यादा इस नई लग्जरी कार को लेकर चर्चा में बने हुए हैं।

लिगामेंट इंजरी के बावजूद नहीं रुके प्रभु देवा, एक पैर पर किया 'मुकाबला' डांस

यूनिक समय, नई दिल्ली। डांस के 'इंडियन माइकल जैक्सन' कहे जाने वाले प्रभु देवा अपनी बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए जाने जाते हैं, लेकिन उनके फेमस गाने 'मुकाबला' से जुड़ा एक चौंकाने वाला किस्सा अब सामने आया है। 1994 में रिलीज फिल्म 'काधलन' के इस सुपरहिट गाने की शूटिंग के दौरान प्रभु देवा गंभीर लिगामेंट इंजरी से जूझ रहे थे, इसके बावजूद उन्होंने हार नहीं मानी और पूरे गाने को एक पैर पर डांस करते हुए पूरा किया। प्रभु देवा ने एक इंटरव्यू में बताया कि 'मुकाबला' गाने से पहले फिल्म के एक फाइट सीन की शूटिंग के दौरान उनके पैर का लिगामेंट फट गया था। उस समय उन्हें चोट की गंभीरता का अंदाजा नहीं था, लेकिन हालत यह थी कि वे ठीक से चल भी नहीं पा रहे थे। इसके बावजूद उन्हें गाने की शूटिंग करनी थी। उन्होंने बताया कि बाएं पैर में तेज दर्द के कारण वह उसे हिला भी नहीं पा रहे थे, इसलिए पूरे गाने में उन्होंने अपना सारा वजन दाएं पैर पर डालकर डांस किया। उन्होंने चोटिल पैर पर कसकर क्रेप बैंडेज बांधी हुई थी और संतुलन बनाने के लिए दोनों पैरों में अलग–अलग साइज के जूते पहने थे।

प्रभु देवा के अनुसार, शूटिंग के दौरान उन्हें दर्द का ज्यादा एहसास नहीं हुआ, लेकिन घर लौटने के बाद दर्द बढ़ गया। आज भी 'मुकाबला' गाना उनके शानदार डांस और समर्पण की मिसाल माना जाता है।

अभिषेक शर्मा पर आईपीएल का बड़ा एक्शन

केकेआर के खिलाफ मैच के दौरान आचार संहिता उल्लंघन पर कार्रवाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। सनराइजर्सहैदराबाद (एसआरएच) के युवा बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) ने बड़ा एक्शन लिया है। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ खेले गए मुकाबले के बाद उन पर मैच फीस का 25 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही उन्हें एक डिमेरिट प्वाइंट भी दिया गया है। यह कार्रवाई आईपीएल की आचार संहिता के उल्लंघन के चलते की गई है।

गुरुवार को खेले गए इस मुकाबले में अभिषेक शर्मा ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 21 गेंदों में 48 रन की तेज पारी खेली। उनकी इस पारी में चार चौके और चार छक्के शामिल रहे। हालांकि, अर्धशतक से पहले ही वे आउट होकर पवेलियन

लौट गए। उनके आउट होने को लेकर विवाद भी देखने को मिला, क्योंकि कैच को लेकर सवाल उठाए गए थे।

बताया जा रहा है कि आउट होने के बाद अभिषेक शर्मा ने नाराजगी जाहिर की, जो आईपीएलछ के नियमों के खिलाफ माना गया। लीग की ओर से जारी बयान में यह स्पष्ट नहीं किया गया कि उन्होंने क्या कहा या किया, लेकिन यह जरूर बताया गया कि उन्होंने आईपीएल कोड ऑफ कंडक्ट के आर्टिकल 2.3 के तहत लेवल–1 का अपराध स्वीकार कर लिया है। यह नियम आमतौर पर मैच के दौरान अनुचित भाषा या व्यवहार से जुड़ा होता है।

आईपीएल के अनुसार, इस उल्लंघन के चलते उनकी मैच फीस का 25 प्रतिशत हिस्सा काट लिया जाएगा। साथ ही, एक डिमेरिट प्वाइंट भी उनके खाते में जोड़ा गया है, जो भविष्य में दोहराए गए उल्लंघनों की स्थिति में और कड़ी सजा का कारण बन सकता है।

मैच की बात करें तो अभिषेक शर्मा ने ट्रेविस हेड के साथ मिलकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई। दोनों बल्लेबाजों ने पावरप्ले में ही 80 से ज्यादा रन जोड़ दिए थे। हेड के आउट होने के बाद भी अभिषेक ने तेजी बरकरार रखी और टीम का स्कोर 100 के पार पहुंचाया। उनकी इस पारी की बदौलत एसआरएच ने 20 ओवर में 226 रन का बड़ा स्कोर खड़ा किया और मुकाबला 65 रन से जीत लिया।

यूपी में फिर बिगड़ेगा मौसम

मथुरा सहित 18 जिलों में तेज हवाएं बारिश और ओलों का अलर्ट

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में मौसम ने एक बार फिर करवट लेने के संकेत दिए हैं। भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच अब राहत की खबर सामने आई है। मौसम विभाग के अनुसार, पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से प्रदेश के कई जिलों में बारिश, तेज हवाएं और ओलावृष्टि की संभावना बन रही है।

बृहस्पतिवार को जहां दिन में तेज धूप ने लोगों को बेहाल किया, वहीं रात के समय कई इलाकों में हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई। अब शुक्रवार से मौसम में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के सहारनपुर, मेरठ, गाजियाबाद, नोएडा,

मथुरा, आगरा समेत करीब 18 जिलों में तेज हवाओं के साथ गरज–चमक और बारिश का अनुमान जताया गया है।

मौसम विभाग ने यह भी चेतावनी दी है कि इन जिलों में वज्रपात और ओले गिरने की आशंका है। लगभग 11 जिलों में ओलावृष्टि हो सकती है, जिससे किसानों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। हवा की रफ्तार 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है, जिससे तापमान में गिरावट आएगी और गर्मी से राहत मिलेगी। इधर, प्रदेश के कई हिस्सों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस के पार पहुंच चुका है। बांदा में पारा 41 डिग्री, प्रयागराज में 40 डिग्री और कानपुर–वाराणसी में करीब 39 डिग्री दर्ज किया गया।

मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, यह बदलाव पश्चिमी यूपी से शुरू होकर शनिवार तक पूर्वी हिस्सों में भी असर दिखाएगा। ऐसे में लोगों को सतर्क रहने और मौसम विभाग की सलाह का पालन करने की जरूरत है।

छोटे जिलों में उद्योगों की नई शुरुआत

स्थानीय उत्पादों को मिलेगा बढ़ावा

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संतुलित औद्योगिक विकास की दिशा में बड़ा कदम उठाया जा रहा है। अब राज्य सरकार छोटे और पिछड़े जिलों में बड़े औद्योगिक केंद्र विकसित करने की योजना पर तेजी से काम कर रही है। इस पहल का उद्देश्य न केवल औद्योगिक विकास को विस्तार देना है, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर भी बढ़ाना है।

राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण द्वारा बलिया, हाथरस, फतेहपुर, बाराबंकी और चित्रकूट जैसे जिलों में नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके साथ ही पहले लिए गए निर्णयों को भी जमीन पर उतारने की दिशा में काम तेज किया गया है। सरकार की कोशिश है कि औद्योगिक गतिविधियां केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि छोटे जिलों तक भी पहुंचे।

राज्य सरकार पहले से ही निवेश और रोजगार प्रोत्साहन नीति के तहत ऐसे जिलों में उद्योग लगाने वाले उद्यमियों को कई तरह की सुविधाएं दे रही है। इसमें सस्ती जमीन, अतिरिक्त अनुदान और शुल्क में छूट जैसी व्यवस्थाएं शामिल हैं। इसके अलावा स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए

बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

विशेष योजना के तहत छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है।

योजना के तहत कई जिलों में छोटे औद्योगिक क्षेत्र और बहुमंजिला कारखाना परिसर बनाए जाएंगे, जिन्हें आगे बढ़ाकर बड़े औद्योगिक केंद्रों में बदला जाएगा। साथ ही बंद पड़ी औद्योगिक इकाइयों और मिलों की जमीन का दोबारा उपयोग करने की प्रक्रिया भी शुरू हो गई है।

इस पहल से बड़े शहरों पर बढ़ता औद्योगिक दबाव कम होगा और पूर्वांचल व बुंदेलखंड जैसे क्षेत्रों में विकास को नई गति मिलेगी। आने वाले समय में निवेशकों को आकर्षित करने के लिए विशेष कार्यक्रम और पहल भी की जाएंगी, जिससे प्रदेश में समग्र विकास को मजबूती मिलेगी।

कानपुर किडनी कांड: मजदूर से मास्टरमाइंड बना शिवम

यूनिक समय, कानपुर। कानपुर में सामने आए किडनी रैकेट मामले में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। जालौन से करीब 15 साल पहले मजदूरी करने आया शिवम अग्रवाल इस पूरे अवैध कारोबार का मुख्य सूत्रधार बन गया। आठवीं पास शिवम ने एक अस्पताल में एंबुलेंस चलाने से शुरुआत की, लेकिन धीरे–धीरे वह किडनी की अवैध खरीद–फरोख्त और ट्रांसप्लांट गिरोह से जुड़ गया।

जानकारी के मुताबिक, शिवम मरीजों और डोनर की तलाश करता था और ट्रांसप्लांट के लिए दिल्ली व नोएडा तक डॉक्टरों की व्यवस्था करता था। इस अवैध धंधे से उसने कम समय में बड़ी कमाई कर ली। उसने दो एंबुलेंस खरीदीं, महंगे प्लॉट लिए और ज्वैलरी भी बनाई। बताया जा रहा है कि वह जल्द अस्पताल खोलने की तैयारी में था। शिवम की निजी जिंदगी भी विवादों में रही। उसने दो शादियां कीं

काली कमाई से खड़ा किया नेटवर्क

और पहली पत्नी से विवाद के चलते अलगाव हो गया। आरोप है कि उसने दूसरी शादी भी धोखे से की।

खास बात यह रही कि वह एप्रन पहनकर और गले में आला डालकर खुद को डॉक्टर जैसा दिखाता था, जिससे लोग उसे असली डॉक्टर समझ बैठते थे। पुलिस अब पूरे नेटवर्क की जांच में जुटी है और अन्य आरोपियों की तलाश जारी है।

महंगे सिलेंडर और किल्लत से संकट

शादी–ब्याह और मैरिज होम कारोबार पर पड़ा असर

यूनिक समय, लखनऊ। लखनऊ में व्यावसायिक गैस सिलेंडरों की बढ़ती कीमत और किल्लत ने होटल, रेस्टोरेंट और कैटरिंग कारोबारियों की परेशानी बढ़ा दी है। हाल ही में सिलेंडर के दाम में 195 रुपये की बढ़ोतरी के बाद हालात और मुश्किल हो गए हैं। व्यापारियों का कहना है कि पहले से ही गैस की आपूर्ति बाधित थी, अब कीमत बढ़ने से नुकसान और बढ़ गया है।

सबसे ज्यादा असर शादी–विवाह के सीजन पर देखने को मिल रहा है। कैटरिंग कारोबारियों ने सिलेंडर की कमी के चलते बुकिंग लेना बंद कर दिया है। उनका कहना है कि ग्राहक अगर खुद सिलिंडर उपलब्ध कराए तभी काम लिया जा रहा है। 15 अप्रैल से शुरू हो रही सहालग के चलते चिंता और बढ़ गई है। कई लोग अब डीजल भट्ठी या लकड़ी के सहारे काम करने की तैयारी कर रहे हैं।

मिठाई और खानपान कारोबार भी इससे अछूता नहीं है। दुकानदारों के मुताबिक, जरूरत के मुकाबले बहुत कम सिलिंडर मिल रहे हैं, जिससे धीमी आंच पर बनने वाली मिठाइयों का उत्पादन प्रभावित हो रहा है। लागत बढ़ने के बावजूद कई कारोबारी ग्राहकों के दबाव में दाम बढ़ाने से बच रहे हैं, जिससे उनकी कमाई पर असर पड़ रहा है। इस संकट का असर धार्मिक स्थलों पर भी देखने को मिल रहा है। मंदिरों में चढ़ने वाले प्रसाद के दाम बढ़ गए हैं। पहले जहां कम कीमत में प्रसाद मिल जाता था, अब बढ़ती लागत के चलते दाम दोगुने तक हो गए हैं।

कुल मिलाकर, गैस सिलेंडर की कमी और महंगाई ने छोटे–बड़े सभी कारोबारियों की कमर तोड़ दी है। अगर जल्द ही आपूर्ति और कीमतों पर नियंत्रण नहीं हुआ तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

हाथरस–अलीगढ़ में सड़कों का होगा कायाकल्प

20 करोड़ से बनेंगे 26 मार्ग बेहतर

यूनिक समय, लखनऊ। हाथरस और अलीगढ़ के ग्रामीण इलाकों में सड़क व्यवस्था सुधारने के लिए सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। करीब 20 करोड़ रुपये की लागत से 26 सड़कों के निर्माण और सुधार कार्य को मंजूरी दी गई है। इसमें हाथरस की 20 और अलीगढ़ की 6 सड़कें शामिल हैं। योजना के तहत नई सड़कें बनाने के साथ इंटरलॉकिंग कार्य भी कराया जाएगा। शासन ने पहली किस्त के रूप में 4.91 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं, जिससे जल्द काम शुरू होने की उम्मीद है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से गांवों में आवागमन आसान होगा और लोगों को बेहतर संपर्क सुविधा मिलेगी।

लखनऊ में स्वास्थ्य व्यवस्था पर सवाल: 65 वेंटिलेटर बंद

यूनिक समय, लखनऊ। राजधानी लखनऊ के सरकारी अस्पतालों में गंभीर स्वास्थ्य संकट सामने आया है। यहां करीब 65 वेंटिलेटर बंद पड़े हैं, जिससे गंभीर मरीजों को समय पर इलाज नहीं मिल पा रहा और कई मामलों में जान तक चली जा रही है। हाल ही में देवरिया से रेफर होकर आए एक मरीज को वेंटिलेटर न मिलने के कारण अपनी जान गंवानी पड़ी, जिसने व्यवस्था की पोल खोल दी।

विशेषज्ञ डॉक्टरों और प्रशिक्षित स्टाफ की कमी के चलते ये वेंटिलेटर उपयोग में नहीं लाए जा रहे हैं। लोकबंधु अस्पताल में 40 वेंटिलेटर होने के बावजूद केवल 10 ही चालू हैं, जबकि बलरामपुर अस्पताल में 60 में से 28 वेंटिलेटर ही उपयोग में हैं। अन्य अस्पतालों में भी यही स्थिति बनी हुई है। वहीं, बड़े चिकित्सा संस्थानों जैसे पीजीआई, केजीएमयू और लोहिया संस्थान में मरीजों का भारी दबाव है। यहां प्रदेश ही नहीं, आसपास के राज्यों

मरीजों की जान पर बन आई

से भी मरीज आते हैं, जिससे वेंटिलेटर की उपलब्धता और कम पड़ जाती है।

सरकारी अस्पतालों में वेंटिलेटर पर इलाज मुफ्त होता है, जबकि बड़े संस्थानों और निजी अस्पतालों में इसका खर्च बहुत अधिक है। ऐसे में गरीब मरीजों के लिए यह स्थिति और गंभीर बन जाती है। अगर जल्द ही संसाधनों और स्टाफ की कमी दूर नहीं की गई, तो यह समस्या और भी भयावह रूप ले सकती है।

25 साल बाद संस्कृत शिक्षा परिषद को मिला स्थायी ठिकाना

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश में संस्कृत शिक्षा को बड़ा बढ़ावा मिलने जा रहा है। करीब 25 वर्षों के लंबे इंतजार के बाद अब उत्तर प्रदेश संस्कृत शिक्षा परिषद और निदेशालय को अपना स्थायी भवन मिलने वाला है। राज्य सरकार ने इसके निर्माण के लिए 42 करोड़ रुपये जारी कर दिए हैं, जिससे राजधानी लखनऊ में जल्द ही निर्माण कार्य शुरू होगा। यह चार मंजिला भवन निशातगंज स्थित राजकीय इंटर कॉलेज के पीछे खाली पड़ी जमीन पर बनाया जाएगा। खास बात यह है कि भवन का निर्माण

पारंपरिक नागर शैली में किया जाएगा, जिससे इसमें भारतीय संस्कृति की झलक भी दिखाई देगी। इस भवन में प्रशासनिक कार्यों के साथ–साथ संस्कृत भाषा के

नए भवन को 42 करोड़ की मंजूरी

शोध, अध्ययन और प्रसार को भी नई गति मिलेगी। अब तक परिषद और निदेशालय अलग–अलग अस्थायी स्थानों से संचालित हो रहे थे। पहले इनका संचालन केजीएमयू परिसर से होता था, लेकिन भवन जर्जर होने के कारण इन्हें दूसरी जगह स्थानांतरित करना पड़ा। नई जगह पर भी जगह की कमी महसूस की जा रही थी, जिससे कार्य प्रभावित हो रहा था। नए भवन में आधुनिक सुविधाओं का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा। यहां भाषा प्रयोगशाला, पुस्तकालय, बैठक कक्ष और शोध केंद्र स्थापित किए जाएंगे। साथ ही संस्कृत से जुड़ी पांडुलिपियों और प्राचीन ग्रंथों को सुरक्षित रखने की व्यवस्था भी की जाएगी। सरकार के इस कदम से न केवल प्रशासनिक कार्यों में सुधार होगा, बल्कि संस्कृत शिक्षा के क्षेत्र में शोध और नवाचार को भी प्रोत्साहन मिलेगा। यह निर्णय राज्य में पारंपरिक ज्ञान और भाषा को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

सार संक्षेप

एनसीईआरटी को मानित विश्वविद्यालय का मिला दर्जा

यूनिक समय, नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) को मानित विश्वविद्यालय का दर्जा दिया है। यह निर्णय विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की सिफारिश पर लिया गया। अब एनसीईआरटी शिक्षक शिक्षा और शोध के क्षेत्र में अपने स्तर पर पाठ्यक्रम संचालित कर सकेगी। यह कदम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप माना जा रहा है। इससे शिक्षा की गुणवत्ता, शोध कार्य और शिक्षकों के प्रशिक्षण को मजबूत करने में मदद मिलेगी।

राप्ती नदी में डूबे चार किशोरों के शव मिले

यूनिक समय, नई दिल्ली। राप्ती नदी में नहाने गए चार किशोरों के शव दो दिन बाद बरामद कर लिए गए। यह हादसा गोरखपुर के मिर्जापुर घाट पर हुआ, जहां पांच किशोर नहाने उतरे थे। एक किसी तरह बच गया, जबकि चार गहरे पानी में डूब गए। घटना के बाद पुलिस और बचाव दल ने लगातार तलाशी अभियान चलाया। मौके से साइकिल, कपड़े और मोबाइल मिला था। शव मिलने के बाद परिवारों में कोहराम मच गया।

पाकिस्तान में महंगाई का कहर, पेट्रोल की कीमतें आसमान पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। पाकिस्तान में महंगाई ने नया रिकॉर्ड बना दिया है। पेट्रोल की कीमत बढ़कर 458 रुपये प्रति लीटर और डीजल 520 रुपये के पार पहुंच गया है। वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के बीच सरकार ने बड़े पैमाने पर वृद्धि की है। सरकार का कहना है कि यह फैसला ऊर्जा आपूर्ति बनाए रखने के लिए जरूरी था, जबकि आम जनता महंगाई से बेहाल है। राहत के तौर पर सीमित वर्गों को सब्सिडी देने की घोषणा की गई है।

करोड़ों मोबाइल में छिपा 'गॉड मोड' मैलवेयर से खतरा

यूनिक समय, नई दिल्ली। देश में एंड्रॉयड मोबाइल इस्तेमाल करने वाले करोड़ों लोगों के लिए नई चेतावनी जारी की गई है। गृह मंत्रालय की साइबर सुरक्षा इकाई ने "एंड्रॉयड गॉड मोड" नाम के खतरनाक मैलवेयर को लेकर अलर्ट किया है। बताया गया है कि यह फर्जी ऐप के जरिए मोबाइल में घुसकर पूरा नियंत्रण हासिल कर सकता है। यह मैलवेयर संदेश, ईमेल, लोकेशन और बैंक से जुड़ी जानकारी तक पहुंच बना सकता है। अगर मोबाइल में कोई अजीब गतिविधि दिखे तो तुरंत ऐप हटाएं और साइबर हेल्पलाइन पर शिकायत करें।

बैठक बनी जंग का मैदान, पार्षदों में जमकर हाथापाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के मालेगांव में महानगरपालिका की विशेष महासभा के दौरान हंगामा मच गया। जनहित मुद्दों पर चर्चा के बीच पार्षद आपस में भिड़ गए और मामला धक्का-मुक्की व हाथापाई तक पहुंच गया। घटना का वीडियो सामने आने के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।

मालदा हिंसा में एनआईए का बड़ा एक्शन

मुख्य साजिशकर्ता समेत 35 गिरफ्तार

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मालदा में हुए विरोध प्रदर्शन और न्यायिक अधिकारियों को बंधक बनाने के मामले में बड़ा एक्शन देखने को मिला है। चुनाव आयोग के निर्देश के बाद अब इस मामले की जांच राष्ट्रीय जांच एजेंसी द्वारा शुरू कर दी गई है। जांच के बीच अब तक 35 लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनमें मुख्य साजिशकर्ता भी शामिल है।

पुलिस के अनुसार मोफक्करुल इस्लाम को बागडोगरा हवाई अड्डे से उस समय हिरासत में लिया गया, जब वह भागने की कोशिश कर रहा था। अधिकारियों का कहना है कि उसने लोगों को भड़काने में अहम भूमिका निभाई थी। वहीं, इस मामले में एक अन्य आरोपी शाहजहां अली को भी गिरफ्तार किया गया है।

घटना कालियाचक इलाके की है, जहां प्रदर्शनकारियों ने सात न्यायिक अधिकारियों को करीब आठ घंटे तक बंधक बनाए रखा था। इस गंभीर मामले पर सर्वोच्च न्यायालय ने सख्त टिप्पणी की थी, जिसके बाद जांच तेज कर दी गई।

वहीं, आरोपी ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा है कि वह सिर्फ वहां मौजूद था और उसने किसी तरह का आंदोलन नहीं किया। जांच एजेंसियां अब पूरे मामले की गहराई से पड़ताल कर रही हैं।

ट्रंप की नई चेतावनी

अब ईरान के बिजली संयंत्र निशाने पर

यूनिक समय, नई दिल्ली। अमेरिका और ईरान के बीच जारी तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक बार फिर सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिकी सेना ने अभी ईरान में बचे हुए लक्ष्यों को नष्ट करना शुरू भी नहीं किया है और आगे के हमले और तेज हो सकते हैं। ट्रंप का यह बयान ईरान के एक महत्वपूर्ण पुल पर हुए हमले के कुछ ही घंटों बाद आया है। ट्रंप ने स्पष्ट संकेत दिए कि आने वाले समय में ईरान के अहम ढांचे, खासकर बिजली संयंत्र, निशाने पर हो सकते हैं। उन्होंने कहा कि अगर ईरान ने जल्द समझौता नहीं किया तो उसे और भारी नुकसान उठाना पड़ेगा। उनके अनुसार, पिछले एक महीने में ईरान के कई बड़े सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाया जा चुका है। हाल ही में तेहरान के पास करज क्षेत्र में स्थित एक प्रमुख पुल पर हमले में भारी तबाही हुई। ईरानी मीडिया के मुताबिक इस हमले में कई लोगों की जान गई और दर्जनों घायल हुए। यह घटना उस समय हुई जब बड़ी संख्या में लोग वहां मौजूद थे। ट्रंप ने इस हमले का वीडियो साझा करते हुए ईरान को चेतावनी दी कि यह सिर्फ शुरुआत है। उन्होंने कहा कि अगर समय रहते समझौता नहीं हुआ तो हालात और बिगड़ सकते हैं। इस बयान के बाद क्षेत्र में तनाव और बढ़ गया है। अब दुनिया की नजर इस बात पर है कि ईरान इस चेतावनी पर क्या प्रतिक्रिया देता है और आगे हालात किस दिशा में जाते हैं।

खामोश हूं, लेकिन हारा नहीं हूं : राघव चड्ढा

यूनिक समय, नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसद राघव चड्ढा ने सदन में बोलने का मौका न मिलने पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "खामोश करवाया गया हूं, हारा नहीं हूं।" पार्टी द्वारा उन्हें उपनेता पद से हटाए जाने के बाद उन्होंने यह टिप्पणी की। राघव चड्ढा ने कहा कि उन्होंने हमेशा आम लोगों से जुड़े मुद्दे उठाए हैं और समझ नहीं आता कि उनके बोलने से किसे आपत्ति है। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनकी खामोशी को कमजोरी न समझा जाए। दरअसल, आम आदमी पार्टी ने उनकी जगह अशोक मित्तल को राज्यसभा में उपनेता नियुक्त किया है। इस फैसले के बाद राजनीतिक माहौल गरमा गया है।वहीं विपक्ष ने इसे पार्टी के भीतर मतभेद का संकेत बताया है। अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व पर भी सवाल उठाए जा रहे हैं।

हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

जग्गी हत्याकांड में अमित जोगी दोषी

यूनिक समय, नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री अजीत जोगी के बेटे और पूर्व विधायक अमित जोगी को राम अवतार जग्गी हत्याकांड में हाई कोर्ट ने दोषी करार दिया है। यह मामला वर्ष 2003 का है, जब रायपुर में व्यवसायी-राजनेता राम अवतार जग्गी की हत्या हुई थी। पहले 2007 में सीबीआई की विशेष अदालत ने कई आरोपियों को दोषी ठहराया था, जबकि अमित जोगी को संदेह का लाभ देकर बरी कर दिया गया था।बाद में इस फैसले को चुनौती दी गई और अब हाई कोर्ट ने उन्हें दोषी मानते हुए तीन सप्ताह के भीतर आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। फैसले के बाद अमित जोगी ने कहा कि उन्हें अपना पक्ष रखने का पर्याप्त अवसर नहीं मिला, जो प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है और वह इस फैसले को उच्चतम न्यायालय में चुनौती देंगे।

मतदान के दिन मिलेगा सवैतनिक अवकाश

यूनिक समय, नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग ने आगामी चुनावों को लेकर बड़ा फैसला लिया है। आयोग ने घोषणा की है कि मतदान के दिन सभी कर्मचारियों को सवैतनिक अवकाश मिलेगा, यानी छुट्टी लेने पर वेतन में किसी प्रकार की कटौती नहीं होगी। यह नियम सरकारी, निजी, दिहाड़ी और अस्थायी कर्मचारियों पर समान रूप से लागू रहेगा।

आयोग ने स्पष्ट किया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 के तहत हर मतदाता को मतदान का अधिकार सुनिश्चित करना जरूरी है। इसी के तहत यह कदम उठाया गया है ताकि कोई भी व्यक्ति काम के कारण वोट डालने से वंचित न रहे। यह आदेश असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनावों के साथ-साथ कई राज्यों में होने वाले उपचुनावों पर भी लागू होगा। आयोग ने चेतावनी दी है कि नियमों का उल्लंघन करने वाले संस्थानों पर कार्रवाई की जाएगी।

साथ ही, जो कर्मचारी अपने निर्वाचन क्षेत्र से बाहर काम कर रहे हैं, उन्हें भी मतदान के लिए यह सुविधा दी जाएगी, बशर्ते वे पंजीकृत मतदाता हों।

वेतन नहीं कटेगा: चुनाव आयोग

ईरान का दावा: अमेरिकी एफ-35 जेट गिराने से बढ़ा तनाव

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य पूर्व में जारी तनाव के बीच ईरान ने बड़ा दावा किया है कि उसने अमेरिका के दूसरे एफ-35 फाइटर जेट को मार गिराया है। ईरान के इस बयान ने क्षेत्रीय हालात को और गंभीर बना दिया है। हालांकि, इस दावे की अभी तक अमेरिका की ओर से आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

ईरान के इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स के अनुसार, मध्य ईरान के ऊपर उनकी उन्नत एयर-डिफेंस प्रणाली ने इस स्टील्थ फाइटर जेट को निशाना बनाया। ईरानी अधिकारियों का कहना है कि उनकी नई तकनीक अमेरिकी 'अदृश्य' विमान को ट्रैक कर उसे नष्ट करने में सक्षम है। इस घटना को युद्ध के 35वें दिन की बड़ी सफलता के रूप में पेश किया जा रहा है। ईरानी मीडिया ने हमले का एक वीडियो भी जारी किया है, जिसमें मिसाइल को जेट की ओर बढ़ते हुए दिखाया गया है। हालांकि, स्वतंत्र रूप से इस वीडियो की पुष्टि नहीं हो सकी है। इससे पहले भी एक अन्य एफ-35 पर हमले की खबर आई थी, जिसमें उसे आपातकालीन लैंडिंग करनी पड़ी थी।

दुनिया के सबसे उन्नत लड़ाकू विमानों में गिने जाने वाले एफ-35 की कीमत लगभग 10 करोड़ डॉलर बताई जाती है। ऐसे में यदि यह दावा सही साबित होता है, तो यह अमेरिकी सैन्य शक्ति के लिए बड़ा झटका हो सकता है।

वहीं, अमेरिकी नेतृत्व पहले ही ईरान के खिलाफ कड़े रुख के संकेत दे चुका है। विश्लेषकों का मानना है कि इस तरह की घटनाएं अमेरिका-ईरान तनाव को और बढ़ा सकती हैं और क्षेत्रीय संघर्ष को नया मोड़ दे सकती हैं।

कुल मिलाकर, यह घटनाक्रम वैश्विक सुरक्षा के लिहाज से बेहद संवेदनशील है, जिस पर पूरी दुनिया की नजर बनी हुई है।

चंडीगढ़ ग्रेनेड हमले में बड़ा खुलासा

दो आरोपियों को किया चिन्हित

यूनिक समय, नई दिल्ली। चंडीगढ़ के सेक्टर-37 स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर हुए ग्रेनेड हमले के मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। जांच के दौरान हमले में शामिल दोनों आरोपियों की पहचान कर ली गई है। पुलिस के अनुसार, फतेहगढ़ साहिब के गांव रतनगढ़ निवासी अमरप्रीत उर्फ अमन और गुरतेज इस वारदात में शामिल थे।

जांच में सामने आया कि हमले के तुरंत बाद दोनों आरोपी मौके से पैदल भागे और सड़क पार कर बस स्टॉप पहुंचे। वहां से वे शहर की एक वातानुकूलित बस में सवार होकर खरड़ की ओर निकल गए। बस में लगे निगरानी कैमरों की फुटेज में दोनों आरोपी स्पष्ट रूप से दिखाई दिए हैं। इनमें से एक ने चेहरे पर काला कपड़ा बांध रखा था, जबकि दूसरे के हाथ में हेलमेट था। पुलिस जांच में यह भी खुलासा हुआ कि हेलमेट का इस्तेमाल जानबूझकर गुमराह करने के लिए किया गया था, ताकि यह लगे कि हमलावर मोटरसाइकिल से आए थे। जबकि वास्तविकता में वे पैदल ही मौके से फरार हुए और बस का सहारा लिया। मामले की निगरानी वरिष्ठ पुलिस अधिकारी स्वयं कर रही हैं। पुलिस ने बस चालक और परिचालक से पूछताछ कर पूरी जानकारी जुटाई है। हालांकि बस से कोई संदिग्ध वस्तु बरामद नहीं हुई, लेकिन आरोपियों की गतिविधियों ने जांच को नई दिशा दी है। एक महत्वपूर्ण सुराग उस समय मिला जब यह पता चला कि आरोपियों के पास किराया पूरा

नहीं था। उन्होंने बस में एक यात्री को डिजिटल माध्यम से पैसे भेजकर नकद राशि ली और टिकट खरीदा। इस लेनदेन के आधार पर पुलिस आरोपियों के मोबाइल और बैंक विवरण तक पहुंचने में सफल रही है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार, अमन के खिलाफ हत्या के प्रयास, मादक पदार्थ और चोरी जैसे कई मामले पहले से दर्ज हैं, जबकि गुरतेज के बारे में भी जानकारी जुटाई जा रही है। दोनों आरोपियों की तलाश में पुलिस लगातार दबिश दे रही है, लेकिन वे अभी तक पकड़ में नहीं आए हैं। फिलहाल पुलिस खरड़ और आसपास के इलाकों के निगरानी कैमरों की जांच कर रही है। जांच एजेंसियां इस घटना के पीछे किसी बड़े नेटवर्क या सहयोगियों की भी पड़ताल कर रही हैं। अधिकारियों का दावा है कि जल्द ही दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा और पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा।

आज रात्रि 10 बजे से कल दोपहर दो बजे तक विद्युत ऑनलाइन सेवाएं बंद

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, मथुरा/ लखनऊ। मथुरा सहित पूरे उत्तर प्रदेश के बिजली उपभोक्ताओं के लिए सूचना जारी की गई है। उत्तर प्रदेश पावर कॉर्पोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) ने अपनी सभी ऑनलाइन सेवाओं को अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया है। जिससे प्रदेश के लाखों पावर उपभोक्ताओं पर असर पड़ेगा।

यूपीपीसीएल द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, यह सेवाएं आज रात्रि

इस अवधि में सिस्टम के मेंटेनेंस और कंफीग्रेशन कार्य होंगे

10 बजे से शुरू होकर चार अप्रैल की दोपहर दो तक पूरी तरह बंद रहेंगी। इस दौरान उपभोक्ता पोर्टल, मोबाइल ऐप और अन्य सभी डिजिटल सेवाएं काम नहीं करेंगी। इस अवधि में उपभोक्ता किसी भी प्रकार का ऑनलाइन लेन–देन या सेवा का उपयोग नहीं कर सकेंगे। जानकारी के मुताबिक यह निर्णय सिस्टम के मेंटेनेंस और कंफीग्रेशन कार्यों के चलते लिया गया है। तकनीकी सुधार और सेवाओं को अधिक बेहतर व सुरक्षित बनाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। अधिकारियों के अनुसार, यह अपग्रेडेशन भविष्य में उपभोक्ताओं को बेहतर और तेज सेवाएं प्रदान करने में सहायक होगा। यूपीपीसीएल की सभी प्रमुख सेवाएं प्रभावित रहेंगी। इनमें उपभोक्ता पोर्टल, यूपीपीसीएल कंज्यूमर एप और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म शामिल हैं। उपभोक्ता न तो बिजली बिल का भुगतान कर पाएंगे और न ही नई सेवाओं के लिए आवेदन कर सकेंगे। इसके अलावा, शिकायत दर्ज करने, बिल डाउनलोड करने और अन्य ऑनलाइन सुविधाएं भी पूरी तरह ठप रहेंगी। यदि किसी के प्रीपेड मीटर में बैलेंस कम है तो आज रात्रि 10 बजे से पहले रिचार्ज करा लें। वरना बिजली गुल हो सकती है।

गोवर्धन में 50 नेत्र रोगियों का सफल ऑपरेशन

यूनिक समय, गोवर्धन। गौलोकवासी श्री श्याम सुन्दर जी उर्फ लाला स्वामीमल जी बजाज की पावन स्मृति में कल्याणं करोति नेत्र संस्थान, गोवर्धन रोड, मथुरा द्वारा आयोजित निःशुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। शिविर में आसपास के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से बड़ी संख्या में नेत्र रोगी शामिल हुए, जिन्होंने जांच, परामर्श और उपचार का लाभ प्राप्त किया। शिविर के समापन अवसर पर मुख्य अतिथि गजानन्द अग्रवाल ने कहा कि नेत्र रोगियों के लिए निःशुल्क ऑपरेशन और उपचार करना समाज सेवा का श्रेष्ठ उदाहरण है। उन्होंने बताया कि ऐसे प्रयासों से जरूरतमंद लोगों की आंखों में नई रोशनी आती है, जो मानवता के लिए प्रेरणादायक है। नवल किशोर अग्रवाल ने भी संस्थान के इस सेवा कार्य की सराहना करते हुए कहा कि समाज के सक्षम लोग इस दिशा में योगदान दें, ताकि अधिक लोग लाभान्वित हो सकें। कल्याणं करोति नेत्र संस्थान के महासचिव सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि शिविर पूर्ण रूप से सफल रहा। विशेषज्ञ चिकित्सकीय टीम ने कुल 51 नेत्र रोगियों के ऑपरेशन सफलतापूर्वक किए। सभी मरीजों को निःशुल्क दवाइयाँ, चश्मे, भोजन और रहने की व्यवस्था भी प्रदान की गई। कार्यक्रम में अनिल अग्रवाल, दीपक कुमार, राजीव अग्रवाल, चतुर्भुज अग्रवाल, सुभाष चन्द अग्रवाल, रमन लाल और अशोक बंसल सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे, जिन्होंने सेवा कार्य की प्रशंसा की।

हनुमान जन्मोत्सव पर हुआ मां भगवती का जागरण

हनुमान बगीची पर राम भक्त हनुमान के जन्मोत्सव पर दर्शन करते मोहनेश्वर महादेव मित्र मंडल के सदस्य।

यूनिक समय, मथुरा। बीएसए कालेज स्थित हनुमान बगीची में मोहनेश्वर महादेव मित्र मंडल के बैनर तले हनुमान जन्मोत्सव पर मां भगवती जागरण कराया। सुबह पंचामृत अभिषेक के बाद चोला चढ़ाया। शाम को सुन्दर काण्ड, हनुमान चालीसा पाठ, श्री राम स्तुति कर भंडारा कराया। महामाई का गुणगान भी किया गया।

मीडिया प्रभारी विकास खत्री ने बताया कि 108 नारियलों की भेंट लगाई गई। इस मौके पर हनुमान

रुद्र काली मां को 108 नारियलों की भेंट चढ़ाई

बगीची के सेवक राजू पटेल, मीडिया प्रभारी विकास खत्री, मनोज राजपूत, अभय शर्मा,ज्ञानेश शर्मा, शैलेन्द्र दीक्षित, विष्णु शर्मा, योगेश चौरसिया, वंशी सिंह, दीपक पटेल, हिमानी राजपूत, तनुज पटेल, पप्पू ठाकुर, लाला ठाकुर तथा राहुल दीक्षित आदि उपस्थित थे।

हनुमान जन्मोत्सव पर हनुमान दल ने निकाली प्रभात फेरी

राया में हनुमान जन्मोत्सव पर निकाली प्रभात फेरी में राष्ट्रीय हनुमान दल के कार्यकर्ता।

यूनिक समय, राया (मथुरा)। हनुमान जन्मोत्सव पर राष्ट्रीय हनुमान दल के तत्वावधान में गणेशबाग मनकामेश्वरी मंदिर से प्रभात फेरी कस्बा के प्रमुख मार्गों से होकर निकाली गयी। प्रभात फेरी में हनुमान भक्त हाथों में पताका लहराते हुए जय श्रीराम जय हनुमान के नारे लगाते साथ चल रहे थे, जिससे समूचा कस्बा हनुमान मय हो गया। रेतिया बाजार में रामलीला कमेटी के अध्यक्ष अभिषेक पाराशर, सभासद सरवन अहमद संदीप शर्मा तथा दीपक शर्मा ने पुष्पवर्षा कर स्वागत किया। कार्यक्रम में हाथरस, अलीगढ़ तथा मथुरा सहित अन्य ग्रामीण क्षेत्रो से आये हनुमान दल के कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान डॉ. नरेंद्र रावत राकेश शर्मा, मुकेश सारस्वत, मनोज नागर विशाल पाराशर, देवेंद्र चौधरी, राकेश बंसल, रविकुमार श्रीवास्तव, प्रदीप अग्रवाल, पुनीत चौबे, चंद्रशेखर सिंह तथा टीकाराम शर्मा आदि मौजूद थे।

मघेरा वाले हनुमान मंदिर में अर्पित किए छप्पन भोग

मघेरा वाले हनुमान मंदिर में सजे छप्पन भोग।

यूनिक समय, मथुरा। छटीकरा-राधाकुंड मार्ग स्थित मघेरा वाले हनुमान मंदिर पर हनुमान जन्मोत्सव श्रद्धा और आस्था के साथ मनाया गया। मंदिर परिसर पूरी तरह भक्तिमय वातावरण में रंग गया।

बजरंगबली का विशेष श्रृंगार मेवा फूलों से कर 56 भोग अर्पित किए। मंदिर प्रांगण में हजारों श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से हनुमान चालीसा एवं सुंदरकांड का पाठ किया। इस अवसर

हजारों भक्तों ने पूजा कर लिया आशीर्वाद

पर वीरेंद्र पुजारी, पवन पुजारी, नरेंद्र कृष्ण गौतम, बालकिशन सिसोदिया, ठाकुर प्रकाश सिंह, दीपक, नरेश, कान्हा, पूर्व विधायक ठाकुर चंदन सिंह, बदन सिंह, श्याम सुंदर गौतम, पन्नालाल गौतम, तेजवीर सिंह, अनिल चौधरी तथा महेश आदि उपस्थित थे।

मंदिरों के आसपास शराब के ठेका खोलने का विरोध

यूनिक समय, मथुरा। अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश उपाध्यक्ष पंडित संजय हरियाणा ने मंदिरों के पास शराब की दुकान खोलने का विरोध किया है। मथुरा में जयसिंहपुरा स्थित बिड़ला मंदिर के पास शराब की दुकान खोलने का विरोध जनता ने किया, उसके पश्चात रिपोर्टिंग करने गए पत्रकारों पर भी जिस प्रकार से मुकदमा कायम किया गया है। हम उसकी निंदा करते है। उन्होंने कहा मंदिर के पास और स्कूलों के पास शराब के ठेके नहीं खोले जाएंगे। ऐसा मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आदेश पूर्व में यथावत चला आता है इसके उपरांत भी लगातार देखा जा रहा है। बस स्टैंड मंदिर के बराबर भी शराब की दुकान खुली हुई है और लगातार इस श्रखला में मंदिरों के आसपास शराब की दुकान खोली जा रही हैं। अखिल भारत हिंदू महासभा की ओर से जिलाधिकारी को पत्र लिखकर और मौखिक चर्चा कर अवगत कराया जाएगा।

उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद एवं भक्ति वेदांत इंस्टीट्यूट, सिंगापुर का संयुक्त आयोजन

तीन दर्जन प्रतिभागियों को प्रमाण–पत्र वितरित

यूनिक समय, वृंदावन। गीता शोध संस्थान एवं रासलीला अकादमी के तत्वावधान में आयोजित एक सप्ताह के गीता गान कार्यशाला में प्रतिभागियों को गीता के श्लोकों का शुद्ध उच्चारण सहित गायन, संकीर्तन शैली तथा श्लोकों को गीत के रूप में प्रस्तुत करने की विधा का प्रशिक्षण प्रदान किया।

समापन पर गीता शोध संस्थान सभागार में आयोजित कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि रोटरी क्लब के पूर्व अध्यक्ष नवीन चौधरी, सांस्कृतिक विशेषज्ञ अनूप शर्मा, समाजसेवी मधु तोमर, उप्र ब्रज तीर्थ विकास परिषद के ब्रज संस्कृति विशेषज्ञ डॉ. उमेश चंद्र शर्मा, भक्ति वेदांत इंस्टीट्यूट, सिंगापुर के निदेशक अनुकंपना दास तथा

प्रतिभागी को प्रमाण पत्र देते अतिथि।

इस्कॉन आइई के पदाधिकारी तीर्थनाथ वासुदेव ने प्रतिभागी तीन दर्जन बालक–बालिकाओं को प्रमाण–पत्र वितरित किए। राजा महेंद्र प्रताप बाल विद्या मंदिर के छात्र–छात्राओं ने प्रिंसिपल सुनील लवानिया एवं संस्थापक राम विनोद भट्ट व पारुल भट्ट के निर्देशन में कार्यशाला में सक्रिय सहभागिता की। अंतिम दिन श्लोक गायन की सुंदर प्रस्तुति दी। प्रशिक्षक गौर सुंदर दास थे। कार्यशाला का संयोजन गीता शोध संस्थान के समन्वयक चंद्र प्रताप सिंह सिकरवार ने किया। भक्ति वेदांत इंस्टीट्यूट, सिंगापुर के निदेशक अनुकंपना दास ने प्रतिभागियों को एक सप्ताह तक

गीता शोध संस्थान की कार्यशाला में सिखाई श्लोक गायन की विधा

श्लोकों के अक्षर ज्ञान, व्यंजन, शुद्ध उच्चारण, संभाषण शैली एवं ध्वनि के विभिन्न आयामों का विस्तृत प्रशिक्षण प्रदान किया।

कार्यशाला में शिक्षकगण लक्ष्मण, शिवानी, चांदनी, तमन्ना, दुर्गेश, मीणा शर्मा, ऋतिक, हरीश चौधरी, अभिनव बंसल एवं गोविंद रावत ने भी सहभागिता की। गीता शोध संस्थान के निदेशक प्रो. दिनेश खन्ना ने बताया कि यह प्रशिक्षण गीता के श्लोकों को सरल एवं सहज रूप में समझाने का एक अभिनव प्रयास है।

हनुमान मंदिर परिसर पर विद्यार्थियों ने किया श्रमदान

यूनिक समय, गोवर्धन । श्री बाबू लाल महाविद्यालय, गोवर्धन की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा राल के समीप स्थित मघेरे वाले हनुमान मंदिर पर एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर की शुरुआत विद्यार्थियों द्वारा मंदिर परिसर में सफाई अभियान और श्रमदान से हुई, जिससे परिसर स्वच्छ और सुव्यवस्थित बनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों ने हनुमान जी के जीवन चरित्र और उनके आदर्शों के बारे में भी जानकारी प्राप्त की।

मंदिर के महंत संत मौनी बाबा महाराज ने कहा कि हनुमान जी कलयुग के प्रत्यक्ष देवता हैं, जो सदैव जरूरतमंदों और निर्बलों की सहायता करते हैं। उन्होंने युवाओं को सेवा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. धीरज कौशिक ने किया। शिविर में डॉ. योगेंद्र प्रसाद गोयल, डॉ. विमलेश सिकरवार, डॉ. रश्मि वर्मा सहित कई विद्यार्थी उपस्थित रहे।